53rd Year in the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

September 2016 No. 09 Vol XXXXXVII

सृष्टि संवत् :1,96,08,53,119 शकसंवत् 1938

भाद्रपद-आश्विन 2073 दयानन्दाब्द 193 कलि संवत् 5118

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 54200

National President

SITA RAM PAREEK

MOB.: 0-9322265975 (MUMBAI)

National Vice President (HQ) & Editor

DR. SURESH CHANDRA GUPTA

MOB. : 09415334709 (FARRUKHABAD)

National Secretary General

AJAY DUTTA

MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary

OM PRAKASH KANOONGO

MOB : 09322295253 (MUMBAI)

National Organising Secretary

SACHINDANAND PANDA

MOB : 09437506798 (BHUBANESWAR)

Chairman Prakashan

ATAM DEV

RESI : 011-27315696 (DELHI)

Email : atam.dev@bvpindia.com

सूचनाएँ :-

- प्रान्तीय अध्यक्ष/महासचिव कृपया अपने प्रान्त की शाखाओं की सूची केन्द्रीय कार्यालय से यथाशीघ्र सदस्य सूची मंगवाकर उसमें संशोधित करके केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित करके अपडेट करवा लें।
- सदस्य सूची सितम्बर तक संशोधित न होने पर नीति प्रेषण स्थगित करने का प्रस्ताव है।
- अब केवल niti@bvpindia.com मेल के समाचार लिए जाएगें। केवल क्रियात्मक समाचार एक फोटो के साथ भेंजे। **सम्पादक**

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by S.K.Wadhwa for Bharat Vikas Parishad, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : S.K.Wadhwa Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

''जितना अधिक आप और आपका संगठन सफल होता है, उतना ही अधिक आपको अपने सहयोगियों के प्रति विनम्र और समर्पित हो जाना चाहिए।''

CONTENTS

1.	सम्पादकीय	4
2.	संगठन के झरोखे से	5
3.	बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ	6
4.	नई शाखाएँ	7
5.	स्वास्थ्य	8
6.	नेत्रदान	10
7.	यत्र तत्र	11
8.	पाठक पत्र	14
9.	विविध गतिविधियाँ	15
10.	रक्तदान	32

विशेष :

1. आओ कुछ हंस ले पृष्ठ संख्या - 13
2. पंच तंत्र की कहानी : कामचोर, पृष्ठ संख्या -33
3. अच्छे व्यवहार का रहस्य, पृष्ठ संख्या - 34

सितम्बर मास के पर्व एवं राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम

05 : गणेश चतुर्थी, शिक्षक दिवस एवं डॉ० राधाकृष्णन जयन्ती
08 : विश्व साक्षरता दिवस
13 : ओणम, वामन जयन्ती
15 : अन्नत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन
16 : विश्वकर्मा पूजा
25 : पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : bvp@bvpindia.com website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

सितम्बर मास में संस्कृति सप्ताह, पौधारोपण और गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन के कार्यक्रमों की भरमार रहेगी। विघ्नहर्त्ता गणेश का जन्म याने गणेश चतुर्थी हमारे पर्वो में अभूतपूर्व स्थान रखता है। वे ज्ञान और सम्पत्ति के भगवान हैं। बच्चों में वे संकट मोचन गनेशा के नाम से विख्यात हैं। मूलतः महाराष्ट्र में गणेशोत्सव की परम्परा सामाजिक प्रेरणा का स्रोत बनी है। गणेश चतुर्थी के दिन गणपति को अपने घर में स्थापित कर उनकी पूजा का प्रावधान है। 10 दिन घर पर रखने के बाद अनन्त चतुर्दशी के दिन गणपति विसर्जन किया जाता है।

यह मास पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के जन्म दिन (5 सितम्बर) पर उन्हें स्मरण करने का भी दिन है। श्रेष्ठ दार्शनिक, चिन्तक, विचारक और दर्शन शास्त्र के उद्‌भट विद्वान और आदर्श शिक्षक होने के कारण राष्ट्र उनके जन्म दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाता है। गुरु और शिष्य के संबंधों की भारतीय दृष्टि से जो महत्ता है उसे परिषद् की शाखाओं में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन के रूप में प्रतिभा सम्मान, शिक्षक सम्मान के रूप में मनाते हैं। भारत के भविष्य को प्रेरक और गौरवशाली बनाने में युवा पीढ़ी का अमूल्य योगदान असंदिग्ध है। सन्त विनोबा भावे के शब्दों में ''देश का आने वाला कल इस बात पर निर्भर करता है कि कल को दिशा देने वाले कौन हैं'' इन शब्दों से भविष्य के निर्माता शिक्षकों की भूमिका का महत्व और भी बढ़ जाता है। आज भी हमारे शिक्षार्थी अपने शिक्षकों के ज्ञान के साथ जीवन शैली, अनुभवशीलता, सद्व्यवहार, शिक्षा के प्रति उनके समर्पण और विद्यार्थियों के प्रति उनकी सदाशयता से प्रभावित होते हैं। जब कि पाश्चात्य संस्कृति में सूचनाओं का भंडार, शिक्षा में गुणवत्ता, शिक्षा पद्धति को सैद्धान्तिक विषय मानकर शिक्षकों के चरित्र व्यवहार सदाशयता का कोई महत्व नहीं है। शिक्षक का व्यतिगत जीवन और सामाजिक या शैक्षिक जीवन अलग-अलग परिभाषित है। हमारी संस्कृति का यह वैशिष्ट्य है कि यहाँ शिक्षक का अन्तर्वाह्य जीवन एक रूप होता है। इस अंक में गुरु के बारे में महान विचारकों, संतों के विचार संकलित किये गये हैं (पृष्ठ संख्या 31)। वर्तमान तकनीकी युग में वैज्ञानिक अनुसंधान, सूचना प्राद्यौगिकी, कम्प्यूटर शिक्षा और वैश्विक बाजार की चुनौतियों से युवाओं ने अपने कैरियर को ही जीवन का लक्ष्य मान लिया है। लेकिन आज सारा विश्व इन भौतिक उपलब्धियों को अंतिम लक्ष्य मानने से गुरेज करने लगा है। कारण भौतिक उपलब्धियाँ सदैव प्रतिस्पर्धा, संघर्ष और ईर्ष्या को जन्म देती है। एक बार फिर भारत जाग रहा है। भारत की ज्ञान की अजस्रधारा विश्व को आबद्ध करने को मचल रही है। खुशखबरी यह है कि भारत का युवा अपने सांस्कृतिक जीवन मूल्यों से जुड़कर संसार को शाश्वत ज्ञान देने में सक्षम हो रहा है। युवा अनुशासनहीनता, पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव, नैतिक जीवन मूल्यों का ह्रास बीते समय की बाते हो गई है। शिक्षक दिवस पर समस्त पाठकों को बधाई।

सूचनाएँ :-

- सभी प्रान्तों से प्रकाशित होने वाली पत्रिकाओं की दो प्रतियाँ केन्द्रीय कार्यालय को अवश्य प्रेषित की जाए।
- सभी प्रान्तीय महासचिव अपने प्रान्त में चलने वाले स्थाई प्रकल्पों की सूचना केन्द्रीय प्रारूप के अनुसार यथाशीघ्र तैयार कर प्रेषित करें। प्रत्येक स्थाई प्रकल्प के लिए अलग प्रारूप बनाया जाए। सभी विकलांग केन्द्र, अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेन्टर, पैथ लैब, पुस्तकालय, स्कूल, कम्प्यूटर, सिलाई केन्द्र आदि की सूचनाएँ अलग-अलग तैयार की जाएगी। प्रारूप इस प्रकार होगा-

  प्रान्त का नाम , शाखा नाम, प्रकल्प का नाम, उपलग्ध सेवाएँ, ट्रस्ट/सोसाइटी का नाम, संचालक का नाम पता मोबाइल एवं ईमेल, भवन का आकार, स्थायी संसाधनों की कुल लागत, वार्षिक कारोबार, लाभार्थी प्रतिमाह, दो फोटो
- इस वर्ष से प्रान्तीय आख्या त्रैमासिक आधार पर भेजनी है। प्रथम आख्या अप्रैल, से जून, जुलाई से सितम्बर तथा अंतिम आख्या अक्टूबर से जनवरी तक के आकड़े प्रारूप के अनुसार प्रेषित करने हैं यह आख्या तीन प्रतियों में तैयार होगी, प्रथम प्रति केन्द्रीय कार्यालय, द्वितीय प्रति संयुक्त महामंत्री रीजनल, तथा तीसरी प्रति प्रान्तीय अपने रिकार्ड के लिए अवश्य रखे।
- अनेक शाखाएँ अपनी गतिविधि के समाचार नीति के लिए प्रेषित नहीं करती हैं यह चिन्ता का विषय है। समाचार इमेल या डाक से भेजे। समाचार प्रकाशित न होने की शिकायत प्राप्त कर हमें प्रसन्नता होगी।

परिषद् के कार्यकर्त्ताओं में आपसी बातचीत को रिकार्ड कर साक्ष्य प्रस्तुत करने की जानकारी जब मिली तो अनायास यह अविश्वसनीय लगा। कोई शाखा अपने प्रान्तीय पदाधिकारियों को न बुलाने का निर्णय करती है। कोई प्रान्त अपनी किसी शाखा के प्रति अन्यथा भाव रखता है। मेरे क्षेत्र में इनका या उनका हस्तक्षेप मान्य नहीं। कभी कभी बैठकों में चिन्तन होते समय निर्णय में परिषद् हित की तुलना में हमारा अहम आड़े आता है। यो तो ऐसे प्रसंग इक्का दुक्का ही होते हैं। यह कहा जा सकता है कि इतने बड़े संगठन में अपवाद तो होंगे ही। इसका कारण खोजने की कोशिश की। चिन्तन, मनन किया तो कुछ निष्कर्ष मिले। आपसे साझा करने की इच्छा ही इस अंक के आलेख का कारण है। **नेतृत्व के प्रति अविश्वास** – परिषद् की सफलता का आधार सामूहिक नेतृत्व है। कार्य पद्धति में परिवर्तन के सूत्रों में हम कभी–कभी इस या उस व्यक्ति की सहमति या असहमति का विश्लेषण करने लगते हैं। इसलिए कार्य पद्धति में परिवर्तन, दायित्व में परिवर्तन का विभाजन आदि विषयों पर हम नेतृत्व पर विश्वास करने के बजाए प्रायोजित अवधारणाओं पर निष्कर्ष निकालते हैं। इससे बचना चाहिए। **सहयोगी कार्यकर्त्ता के प्रति आत्मीयता का अभाव** हम परिवार भाव से चलने वाले संगठन है। सहयोगी कार्यकर्त्ता के प्रति आत्मीयता का भाव हमारी विशेषता है। परिवार में यदि एक सदस्य बड़ी सफलता प्राप्त करता है तो हम खुश होते हैं परन्तु यदि परिषद् में हमारा सहयागी कार्यकर्त्ता बड़ा दायित्व लेता है तो यह हमारी ईर्ष्या का करण बनता है। कहाँ रह जाती है पारिवारिक आत्मीयता। **व्यक्तिगत संबंधों की कमी** – कार्य करते समय हम यदि पद के आधार पर अपना व्यवहार करते हैं। तब व्यक्तिगत संबंधों की कमी के कारण पद से हटने के बाद कार्यकर्त्ताओं की उपेक्षा का शिकार होते हैं जो मानसिक कष्ट का कारण बनता है। समभाव, समविचार, समव्यवहार सभी के लिए आवश्यक है। **तिकड़म से पद प्राप्ति का स्वभाव** – सामाजिक संगठन होने के कारण अनेक लोग अतिशीघ्र शीर्ष दायित्व पर पहुँचने की इच्छा करते हैं। वे क्षणिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं परन्तु आजीवन संगठन कार्य के होता नहीं बन सकते।

संगठनकर्त्ता को अच्छा श्रोता होना बहुत आवश्यक है। नेतृत्व के बारे में अविश्वसनीय अवधारणा निर्माण करना श्रेयस्कर नहीं है। वार्षिक मूल्यांकन न करने के कारण हम निरन्तर कार्य में लगे रहते हैं कुछ उपलब्धियाँ हुई क्या? कुछ हमारी सोच में परिवर्तन आया क्या? कुछ लोगों के बारे में हमारी अनुकूल राय बनी क्या? कुछ वैचारिक दृष्टि से हम आगे बढ़े क्या? इन प्रश्नों का निरन्तर चिन्तन करते चलें तभी हम ध्येय के प्रति संकल्प के अनुगामी बन सकेगें। अपने चारो ओर के वातावरण और व्यवहार को खारेज कर देखिए। हम कहीं जाने अनजाने ऐसे कुविचारों का शिकार तो नहीं हो रहे। – scguptafbd141@gmail.com

---

पहल

रुड़की के इन्जीनियर एसोसिएशन सभागार में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर सेमिनार का आयोजन सम्पन्न किया। अविरल गंगा और सम्पर्क रुड़की शाखा के तत्वावधान में अध्यक्ष राव श्यामल ने परिषद् के इस प्रकल्प के महत्व पर प्रकाश डाला। अविरल गंगा के संरक्षक डॉ. सत्येन्द्र मित्तल ने केन्द्रीय निर्देशों के अनुरूप इस गोष्ठी के बहुआयामी उद्देश्यों को रेखांकित किया। गोष्ठी में राजनन्दनी, अक्षिता सेनी और स्वावलम्बी छात्रा गुंजन का सम्मान वीरता की श्रेणी में आयुषी जैन और श्रीमती राधा का सम्मान तथा कु. सुरभि, पूजा के ड्रेस, स्टेशनरी भेंट की गई।

श्रीमती मनीषा वत्रा ने विषय चयन के लिए परिषद् की प्रशंसा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने लड़कियों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला और सहयोग का आश्वासन दिया। कमिश्नर वाणिज्य कर सुश्री पूनम राजपूत ने महिला साक्षरता को बढ़ाने की आवश्यकता बताई। गांधी जी के विचारों के बारे में उन्होंने कहा कि एक लड़के की शिक्षा से एक व्यक्ति शिक्षित होता है लेकिन एक लड़की की शिक्षा से एक परिवार शिक्षित होता है। परिवार में लड़कियों से भेदभाव भी इस समस्या का मूल कारण है। उदीयमान प्रतिभा गजल भारद्वाज को भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होने पर सम्मानित किया गया। कु. गजल ने सेमिनार तथा सम्मान के लिए परिषद् को तथा अपनी सफलता के लिए माता पिता को प्रेरक बताया।

प्रान्तीय महासचिव श्रीमती डॉली डबराल ने बेटियों को सारगर्भित काव्य पाठ से अपना योगदान दिया। श्री एस.एस. कोठियाल प्रान्तीय अध्यक्ष ने कहा कि हमें प्रसन्नता होती है कि जब हमारी पहचान हमारे बच्चों की प्रतिभा से की जाती है। उन्होंने स्मरण किया कि मेरे बेटे अजय कोठियाल ने केदार धाम आपदा के समय जो अद्वितीय कार्य किये वे मेरे लिए गौरव की बात है। कु. नेहा कटारिया और रक्षिता सैनी को राष्ट्रीय विजेता के रूप में सम्मानित किया गया। परिषद् के सदस्य परिवारों ने समूह नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। योगाचार्य और भारतीय नृत्यों की विशेषज्ञ डॉ. प्रतिष्ठा शर्मा ने देश विदेश में योग और नृत्य पर प्रशस्ति प्राप्त की है। गोष्ठी में उनके विचार अन्यत्र प्रकाशित है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

'बिल्डिंग डाइवर्सिटी इन एशिया पैसिफिक बोर्ड रूप' नाम की इस रिपोर्ट में पाया गया कि पिछले चार वर्षों में भारतीय कम्पनियों के बोर्ड में महिलाओं की संख्या में इजाफा दर्ज हुआ है। खासतौर पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध शीर्ष 100 कम्पनियाँ इस मामले में अव्वल रही हैं।

बेटा-बेटी दोनों का ही महत्व, कर्त्तव्य, आवश्यकता व अधिकार समान हैं, दोनों ही समाज के आवश्यक अंग हैं, प्रतिनिधित्व में महिलाओं की बढ़ोत्तरी 2012 में 2.5% तथा 2015 में 12% हुई। महिलाओं की बोर्ड में 17.5% टेलीकॉम क्षेत्र में 11.6%, आई.टी. क्षेत्र में 9.6% वित्तीय क्षेत्र में भागीदारी है। फिर भी आज कन्या भ्रूण हत्या विकराल रूप धारण किये है। भारत विकास परिषद् संस्था जहाँ युवाओं को संस्कारित करने को कटिबद्ध है वहीं बेटियों को मरने से बचाने में भी पीछे नहीं! भारत पुरुष प्रधान समाज रहा है, पुत्र वंश को चलाता है, स्वर्ग दिखाता है, बुढ़ापे का सहारा आदि मान्यताओं से शिक्षित वर्ग भी अछूता नहीं है।

बेटी क्यों बचाओ :- कौन नहीं जानता कि सृष्टि के चक्र को अविरल चलाने को माँ, राखी बांधने को बहिन, कहानी सुनाने को दादी, जिद पूरी करने को मौसी, खीर खिलाने को भाभी, जीवन साथी हेतु पत्नी इन जरूरतों को पूरा करने हेतु बेटी को जिन्दा रहना जरूरी है। बेटी माँ बन गौरव पाती है, नौ माह तक गर्भस्थ शिशु को अपने रक्त की एक-एक बूँद से सींचकर जन्मती है व त्यागी व निस्वार्थी होने की वजह से शिशु को पति का नाम दे, आत्म संतुष्टि का अनुभव करती है। कन्या भ्रूण हत्या से समाज की गति रूक जायेगी। अत: इसे रोकना आवश्यक ही नहीं हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। कहीं ऐसा न हो कि आपका लाडला बेटा दूल्हा बनने के सपने देखता रह जाए।

इस प्रक्रिया के तहत गर्भवती महिला अत्यधिक रक्तस्राव से, गर्भाशय क्षतिग्रस्त होने से संक्रमण हो जाने से या तो दुबारा माँ नहीं बन पाती या संसार से ही विदा हो जाती है। अत: बेटी को बचायें, माँ को जीवित व समाज की व्यवस्था बरकरार रहने दें। सरकारी आकड़ोंनुसार 1981 में 1000 पुरुषों पर 935 महिलाएँ, 1991 में 1000 पर 927, 2011 में 919 ही रह गई, यह हम सबके लिए चुनौती है।

बेटी को क्यों पढ़ाओ :- जन्म के बाद बेटी का पालन-पोषण-शिक्षा, माता-पिता की जिम्मेदारी है। हिन्दुओं के 16 संस्कारों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण विवाह है। विवाह के बाद नये रिश्तों को तन-मन से स्वीकारती है बेटी। घर की देखभाल, बच्चों का पालन पोषण, पति का ख्याल, सास-ससुर की सेवा प्रात: से रात्रि तक घड़ी की सुई की तरह चलकर पूरा करती है। जीवन तो पशु भी जीते है। पर शिक्षित बेटी आधुनिक जीवन शैली, नये अविष्कार, देश-विदेश की तकनीक का उपयोग कर परिवार में खुशहाली ला सकती है। एक शिक्षित बेटी पूरे परिवार को नई दिशा, रोशनी व नया परिवेश देती है। संतान का उचित मार्गदर्शन, अमृत-विष का अन्तर, सदाचार का पाठ जीवन सुयश-सफल उत्तम बना सकती है।

जग जाहिर है कि शिक्षा के बल पर हमारे देश की बेटियाँ राष्ट्रपति, गवर्नर, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सैनिक, विदेश मंत्री, पायलट, गीतकार, गायिका, स्पेस वूमन, ट्रेन चालक, चित्रकार, कवियित्री, लेखिका, डॉक्टर, प्रिंसीपल यहाँ तक कि फाइटर प्लेन चालिका बन घर-परिवार-समाज-शहर व देश का गौरव बढ़ा रही है। शिक्षित बेटियाँ बेटों के बराबर बल्कि ज्यादा बेहतर घर व्यवसाय संभालकर अपने आपको सिद्ध कर रही है। साथ ही परिवार की आर्थिक मददगार भी साबित हो रही है। बेटी को शिक्षित करना अति आवश्यकक ही नहीं हर परिवार की नैतिक जिम्मेदारी है। हत्या करना घोर अपराध है, सजा का भी प्रावधान है पर आज तक किसी को भी सजा नहीं मिल सकी है। यहाँ तक कि डॉक्टर जीवन देते हैं पर पैसे की लालच में वे भी जीवन लेने से नहीं चूकते। भारत विकास परिषद् विभिन्न आयोजनों, सम्मेलनों, गोष्ठियों के माध्यम से इस सामाजिक कुरीति पर अंकुश लगाने को प्रयासरत है।

राष्ट्र की आधी जनशक्ति नारी है जो अपनी ऊर्जा, संकल्प, वात्सल्य से आंगन से लेकर अंतरिक्ष तक भूमिका सफलता से निभा रही है। एक बालक को शिक्षित करना, केवल एक को करना जबकि एक बालिका को शिक्षित कराना पूरे परिवार को शिक्षित करना है क्योंकि बालिका बड़ी होकर पत्नी-माँ बन परिवार को संजोती है वो जन्मदात्री ही नहीं चरित्र निर्मात्री भी है।

धार्मिक महत्व में देवियों का पूजन व रानी लक्ष्मीबाई, माताजीजाबाई आदि को भुलाया नहीं जा सकता। भारत के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, गर्वनर, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक आदि पदों की शोभा बढ़ाई है। विश्व की प्रख्यात महिलाओं में सावित्री जिन्दल, इन्दूजैन, अनुभाग, किरण मजूमदार, शोभना आदि भारतीय रही हैं। इन्द्रा नूई, शिखा शर्मा, चंदा कोचर आदि ने नाम रोशन किया। संस्कारित, शिक्षित महिला ही स्वस्थ-समर्थ परिवार व भारत की संरचना कर सकती है।

मनुस्मृति में माता का दर्जा पिता से हजार गुणा अधिक माना है तथा शंकराचार्य महाराज भगवान श्रीकृष्ण को माँ पुकारते थे

और उपनिषदों में मातृदेवो भव पितृदेवो भव कहा है एवं वन्देमातरम मे भी माँ की ही वंदना की गई है।

राम, कृष्ण, शिवाजी, हनुमान आदि के जीवन को सुसंस्कारों से माँ ने सजाया। महर्षि दयानन्द जी ने माँ को ममतामयी, जीवनदायनी, परोपकारिणी बताया है। माँ की गोद से बड़ी कोई पाठशाला नहीं, माँ से बड़ी कोई शिक्षिका नहीं, माँ की ममता, वात्सल्य, प्रेम नि:स्वार्थ होता हैं ईश बंदना में भी माँ को पहले नमन करते हैं उदाहरण स्वरूप त्वमेव माता च पिता त्वमेव। मंदिर, सत्संग, कथा में ज्यादा महिलाएँ होती हैं अर्थात् वे धर्म संस्कृति की रक्षा करती है।

इसके लिए सामूहिक प्रयास निम्न कार्यक्रमों के माध्यम से करने होंगे-

1. बेटी के जन्म पर सरकारी अस्पतालों में जाकर मनोबल बढ़ायें, मिठाई बांटे, बाजे बजायें। 2. धर्म गुरुओं द्वारा प्रवचन करा जनता को लाभाविन्त करें 3. निकट क्षेत्रों में कन्या भ्रूण हत्या न करने के संकल्प पत्र भरवायें। 4. वाहन रैली, पदयात्रा, मशालयात्रा से लोगों में जागरूकता लायें 5. उक्त विषय पर कक्षा 10, 12 के छात्र-छात्राओं से निबन्ध व वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित करें। 6. पोस्टर-कुटेशन आदि प्रमुख चौराहों, शहरों में लगायें जो पर्यावरण, गौरक्षा, नारी सम्मान, दहेज प्रथा विषयों पर हो। 7. निर्धन परिवार की कन्या को गोद ले या शिक्षा व लालन-पालन हेतु आर्थिक मदद करें। 8.. घर-परिवार में ऐसी नौबत न आने दें, पुरुषों को शिक्षित करें। 9. महिलाओं को शिक्षित करने के प्रबंध करे ताकि पुत्र मोह के बंधन से मुक्त हो सकें। 10. 'बेटी बचाओे'बेटी पढ़ाओ' के अभियान को अमूल्य सहयोग देकर सफल बनायें 11. दिव्यांग महिला को कैलिपर, व्हीलचेयर, हियरिंग ऐड दिलवाने का प्रबन्ध करें। 12. करवाचौथ, बसंत पंचमी, रक्षाबंधन, तीज मेला लगायें। 13. 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' पर गोष्ठी, सम्मेलन, जनजागृति, सभाएँ, ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर शिक्षित करने का प्रयास हो। 14. महिला सहभागिता हेतु शाखा, प्रान्त, रीजन, केन्द्र में अधिक दायित्व दिये जाएं व शाखा, प्रान्त, रीजन स्तरीय महिला सम्मेलनों का आयोजन किया जाए।

विशेष - प्रान्त व रीजन स्तर पर महिला सम्मेलन आयोजित करने पर महिला प्रभारी पुरस्कृत की जायेगी। सम्मेलन का पत्रक, कार्यक्रम रिपोर्ट, अखबार कटिंग, कार्यक्रम के बैनर सहित तस्वीर भेजना सुनिश्चित करें जो पारितोषिक का आधार होगा।

-**सावित्री वार्ष्णेय**, राष्ट्रीय चेयरमेन महिला एवं बाल विकास

नई शाखाएँ, जुलाई 2016 तक

क्र. सं.	शाखा व जिला	सदस्य संख्या	क्र. सं.	शाखा व जिला	सदस्य संख्या
	महाकौशल		13.	संतकबीर नगर (संतकबीर नगर)	25
1.	संकल्प जबलपुर (जबलपुर)	29	14.	मोहम्दी (लखीमपुर खिरी)	25
2.	पथरिया (दामोह)	25	15.	गोरखपुर (गोरखपुर)	25
3.	हटा (दामोह)	25		**पंजाब उत्तर**	
4.	घनौरा (सिवनी)	25	16.	कल्पना चावला (अमृतसर)	25
5.	वरघाट (सिवनी)	25	17.	चाविन्डा (अमृतरसर)	25
6.	केवलाटी (सिवनी)	25		**ब्रह्मावर्त**	
	राजस्थान उत्तर		18.	गुरसहायगंज (कन्नौज)	25
7.	मीरा शाखा (बीकानेर)	25	19.	शमसाबाद (फर्रूखाबाद)	25
	असम		20.	कायमगंज (फर्रूखाबाद)	25
8.	बारपेटा (बारपेटा)	25	21.	दिबियापुर (औरैया)	25
	अवध प्रदेश		22.	हेमू कालानी (कानपुर)	25
9.	लखनऊ चौक (लखनऊ)	51		**बुन्देलखण्ड**	
10.	नानपारा (बहराइच)	25	23.	कुरारा (हमीरपुर)	25
11.	रिसिया (बहराइच)	25	24.	कालपी (जालौन)	25
12.	गोण्डा (गोण्डा)	25	25.	विवेकानन्द (झाँसी)	25

उन्नाव, ब्रह्मावर्त : शाखा द्वारा हेल्प फार हेल्पलेस सोसायटी के तत्वावधान में स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. ए.के.गुप्ता मायाजलि ब्लड बैक कानपुर के निर्देशन में 87 लोगों ने रक्तदान किया। डॉ. अखिलेश, डॉ. एस.सी.वर्मा, डॉ. ए.वत्सला परिहार, डॉ. रेखा सिंह, डॉ. आशीष एवं डॉ. भारती ने 97 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में 100 लोगों ने रक्त समूह की जांच कराई। पुलिस अधीक्षक नेहा पाण्डेय, श्री हरदयाल सिंह क्षेत्राधिकारी आर.के चतुर्वेदी ने शिविर की तारीफ की। महिला प्रभारी मंजुलता, निशी अरोड़ा, सबा अहमद, तवस्सुम नफीस, अनुराग अवस्थी, मनोज त्रिपाठी ने व्यवस्था संभली।

एटा, ब्रज प्रदेश : शाखा द्वारा योग स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। योग शिक्षक महावीर चौहान तथा डॉ. विशाल गुप्ता ने स्वास्थ्य एवं रोगों से बचने के उपाय बताए। योग प्रणायाम, टहलना तथा संयमित भोजन स्वास्थ्य के उपाय है। 200 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य सेवाएँ ली।

फिरोजाबाद संस्कार : शाखा द्वारा स्थाना दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। श्री राहुल गर्ग अध्यक्ष ने प्रथम रक्तदान किया। 18 सदस्यों ने मानव सेवा माधव सेवा में साकार करके रक्तदान किया। प्रान्तीय अधिकारियों की सहभागिता रही।

मयूरी अलीगढ़ : शाखा ने गुप्ता नर्सिंग होम अलीगढ़ में तम्बाकू मुक्त दिवस मनाते हुए गुटका, पान मसाला के नुकसान पर लोगों को जागरूक किया गया। स्वास्थ्य शिविर के अन्तर्गत महिलाओं को नि:शुल्क अल्ट्रासाण्ड कराया जाता है। 150 महिलाओं का परीक्षण किया गया। शिविर में अनीता, लता, उमा, सरिता का सहयोग रहा।

आनन्द की गुरुभक्ति

समर्थ रामदास का एक शिष्य था। नाम था आनन्द। गुरु उसे बहुत प्यार करते थे। अन्य शिष्यों को ईर्ष्या होने लगी। गुरुजी ने एक युक्ति की। एक कच्चा आम अपेन पैर पर बांधकर कपड़ा लपेट लिया और चिल्लाने लगे। पैर में फोड़ा हैं बहुत पीड़ा करता है। कुछ दिनों में आम पक गया और उसका रस बहने लगा। गुरुजी पीड़ा से कराह कर चिल्लाने लगे, मेरा फोड़ा पक गया है इसमें से मवाद निकल रहा है। यदि कोई इसको अपने मुँह से चूस ले तो मेरी पीड़ा मिट सकती है। सभी शिष्य एक दूसरे का मुँह देखने लगे। जब आनन्द को पता चला तो वह आया और उसने फोड़े का मवाद मुँह से चुसने लगा। गुरु देव का हृदय भर आया। बस आनन्द अब मेरी पीड़ा चली गई। आनन्द बोला ऐसा माल मिल रहा है फिर छोड़ूँ कैसे। ईर्ष्या करने वाले शिष्यों के चेहरे फीके पड़ गये।

शामगढ़, मध्य भारत पश्चिम : स्थापना दिवस पर नेत्र शिविर का आयोजन। शिविर में 101 रोगियों का परीक्षण किया गया। 35 रोगियों का मुरलीधर कृपा अस्पताल में ऑपरेशन सम्पन्न किये गये।

विजयनगर, कर्नाटक दक्षिण : शाखा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वयं सहायता समूह जे.पी.नगर बंगलूरू द्वारा चिकित्सा शिविर लगाया गया जिसमें इएनटी, हृदय रोग, दन्त रोग का इलाज किया गया। डॉ. सत्य प्रसाद, डॉ. टी.वी.राजू डायरेक्टर आरवीआईएम संस्थान ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए अधिक शिविर लगाने का अपील की। 100 मरीजों का उपचार हुआ।

लुधियाना विकलांग ट्रस्ट, पंजाब पश्चिम : ट्रस्ट की बहुआयामी गतिविधियाँ दिव्यांगों के लिए सुनहरे अवसर प्रदान कर रही है। कृत्रिम अंग, हाथ, पैर, ट्राईसिकिल, व्हील चेयर तथा पोलियो सरजरी के क्षेत्र में केन्द्र ने प्रशंसीय काम किया है। एन.एस.आई.सी. के सहयोग से दिव्यांग पुर्नवास के लिए होजरी का प्रशिक्षण दिया जाता है। जून, 2016 में 197 कृत्रिम अंग लगाये गये। इसके लिए सुखदेव शाखा तथा केन्द्र परिसर में सहायता शिविर लगाये गये। परिसर में स्थित पॉलीक्लिनिक के द्वारा 1618 मरीजों का उपचार जून में किया गया। सचिव श्री नरेन्द्र मित्तल ने बताया कि केन्द्र द्वारा समय समय पर विकलांग सहायता के लिए विशेष योजनाएँ बनाई गई।

हल्द्वानी, उत्तराखण्ड पूर्व : शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेयर डॉ. रौतेला तथा डॉ. सी.पी. भैसौड़ा प्राधानाचार्य मेडिकल कॉलेज ने संबोधित किया। कुल 52 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। अतुल राजपाल, अनुज, गौरव, पंकज, मनोहर केशरानी ने सहयोग किया। मेडिकल कॉलेज की डॉ. तनुजा, डॉ. सलोनी, डॉ. प्रियंका ने सहयोग किया।

रुद्रपुर : शाखा द्वारा रक्तदान शिविर में परगनाधिकारी श्री वाजपेयी जी द्वारा शाखाध्यक्ष राकेश तनेजा की टीम के सहयोग से मनोज, रोहित, नवनीत ने 67 यूनिट रक्त एकत्रित कियां श्री सुनील खेड़ा, राष्ट्रीय मंत्री का पूरा सहयोग रहा।

समृद्धि मुजफ्फरनगर, हस्तिनापुर : आर्य भारती विद्या मंदिर पटेल नगर में स्थापना दिवस सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर चिकित्सा शिविर लगाया गया। नवीन सिंघल, आर.के.सिह, विनोद संगल ने शिविर के अन्तर्गत व्यवस्था संभाली। 125 बच्चों तथा 100 मरीजों का इलाज हुआ। वरदान नेत्र संस्था के द्वारा नेत्र रोग परीक्षण करके बताया कि बोतल का दूध पिलाने से बच्चों के दाँत कमजोर हो जाते है। डॉ. प्रवेश कुमार ने गठिया का परीक्षण किया तथा इलाज में उपेक्षा के कारण मरीजों का दर्द बढ़ जाता है। डॉ. विभोर वर्मा ने शुगर के लिए रक्त लिया तथा विटामिन डी की कमी के कारण दूध, मक्खन, पनीर की कमी बताया। विद्यालय प्राचार्या उषा जैन तथा सुमन अग्रवाल ने डॉक्टरों की बातों को मानने का संकल्प कराया।

जब जीवन ही समर्पित कर दिया -

स्वामी दयानन्द शिक्षा समाप्त कर गुरु दक्षिण भेंट करने गुरु स्वामी विरजानन्द जी के पास गये। क्या लाये हो मेरे लिए। थोड़ी सी लौंग लाया हूँ गुरु जी। मेरे घोर परिश्रम का यही फल है क्या। मैं अकिचन सन्यासी हूँ गुरुवर। यह लौंग भी भिक्षा में लाया हूँ। मेरे पास जो है वह आपको भेंट है। गुरु ने कहा ठीक है। जो तुम्हारे पास है वहीं लूँगा। गुरुदेव यह जीवन आपका है यह आपके चरणों में समर्पित है। गुरु जी यह सुनकर हर्षित हो उठे। बोले आज भारत भर में कुप्रथा और पाखण्ड का बोलबाला है। अज्ञान, अंधविश्वास, अशिक्षा, मिथ्या, मत मतान्तर से मानव भ्रष्ट हो रहा है। तुम जाओ और भारत माता के सुपुत्रों का, दीन हीन, नर नारियों का उत्थान करो। यही मेरी गुरु दक्षिणा होगी। और फिर स्वामी दयानन्द ने जीवन भर ज्ञान सदाचार वैदिक धर्म और स्वतंत्रता की ज्योति प्रज्जवलित की।

वैशाली वसुन्धरा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश : शाखा द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। 128 मरीजों का वजन, बी.पी. शुगर आदि की माप की गई। इस अवसर पर विना चिकित्सकीय सहायता के उपलब्ध खान-पान के आधार पर स्वस्थ रहने के गुण बताए गये। प्रसिद्ध योगाचार्य डॉ. अजय कान्त की वार्ता तथा समाधान सत्र भी कराया गया। सचिव विशाल बंसल एवं राकेश अग्रवाल, भगवत प्रसाद ने व्यवस्था संभाली।

डबवाली, हरियाणा पश्चिम : शाखा द्वारा सरकारी अस्पताल में रक्तदान शिविर में 71 लोगों ने रक्तदान किया। आदित्य चौटाला मुख्य अतिथि थे। संजय तनेजा, दीपक जुनेजा, अंकुर, प्रेम मलूजा, गुरदित, प्रवीण मेहता ने पत्नी सहित रक्तदान किया। संजय मेहता, सुवेग सिंह ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सतपाल जग्गा ने अस्पताल में ब्लड बैंक को खुलवाने पर जोर दिया।

गन्नौर, हरियाणा दक्षिण : शाखा द्वारा एक्बुलेन्स को राजीव जैन ने झंडी दिखाकर जनता को समर्पित कियां एस.डी.एम. सुमीता ढ़ाका के आतिथ्य में नई अनाज मंडी में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। तहसीलदार हरिओम अत्री ने जीते जी रक्तदान व मरणोपरान्त नेत्रदान अभियान को चलाने के लिए परिषद् की तारिफ की। शिविर में चन्द्र सैन जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री तथा डॉ. वासुदेव बंसल, प्रवीण सिंघल, योगेश कौशिक, डॉ. मनोज राय उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़ : शाखा द्वारा ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल में रक्तदान शिविर का प्रारम्भ तहसीलदार मातुराम नेहरा ने किया। डा. कुलदीप ने रक्तदान शिविर के महत्व और आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कर्मवीर राठी, अशोक गुप्ता, प्रवीन राठी उपस्थित रहे। शिविर में 72 यूनिट रक्तदान किया गया।

कैथल, हरियाणा उत्तर : स्थापना दिवस पर आर.के.एस.डी. पब्लिक स्कूल में विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. कमल गुप्ता, संसदीय सचिव तथा डॉ. वी.के. थापर सी.एस.ओ. कैथल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पे परिषद् भवन का उद्घाटन किया तथा 5 लाख अनुदान की घोषणा की। 1812 मरीजों का पंजीकरण हुआ। 28 विशेषज्ञ डॉक्टरों ने गुरुग्राम, दिल्ली, मोहाली, पंचकूला, लुधियाना, अम्बाला, करनाल, कुरूक्षेत्र से आकर सेवाएँ प्रदान की। ईसीजी, शुगर, इंको, एन्डोस्कोपी, यूरिक एसिड, होमोग्लोबीन, नसो, फेफड़ों की जांच, चश्में, हेपेटाइटिस बीआरसी का जांच की गई। एक लाख रुपये की दावाईयाँ नि:शुल्क बांटी गई शाखा अध्यक्ष डॉ. जगदीश मनोचा, सचिव हरीश चावला ने व्यवस्था देखी।

घरौंडा : शाखा द्वारा हर्बल पार्क में नि:शुल्क ब्लड प्रेशर, शुगर जांच शिविर में 150 मरीजों का परीक्षण किया गया। धीरज भाटिया ने परिषद् स्थापना के प्रसंग सुनाए। सचिव कपिल गुप्ता ने व्यवस्था संभाली। विर्क अस्ताल की ओर से 700 मरीजों के जांच तथा दवा दी गई।

जोधपुर, राजस्थान पश्चिम : स्थापना दिवस पर बालिका विद्या मंदिर में मेडिकल परीक्षण शिविर लगाया गया। अनिल गोयल के सानिध्य में चांदरतन जी, पवन पवार ने परिषद् की पैथेलोजी से डॉ. अम्बा प्रसाद माथुरिया तथा डॉ. बी.डी. जोशी ने सहयोग किया।

बूंदी, राजस्थान दक्षिण पूर्व : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर हड्डी रोग विशेषज्ञ के वाड्र में मरीजों को फल बिस्कुट, दूध बांटे गये। मुख्य वक्ता पुरुषांत्तम नुवाल ने परिषद् स्थापना के प्रसंग सुनाए।

धौलपुर, राजस्थान उत्तर पूर्व : शाखा द्वारा मेडिकल जांच शिविर का आयोजन किया गया। 171 मरीजों की जांच की गई। वैद्य किशन सिंह पैहलावत, आकाश अग्रवाल ने परामर्श दिया। नागार्जुन फरमासिंटिकल ने मुक्त दवा बांटी। अध्यक्ष डॉ. राम लखन गोयल ने मोसमी बीमारियों से बचाव का सुझाव दिया।

धुबरी, असम : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर डायबिटीज, रक्तचाप की जांच की गई। झुग्गी बस्तियों में जांच तथा दवा वितरण किया गया। डॉ. पाल, डॉ. अजहरूद्दीन, डॉ. ए.जमन ने मरीजों की चिकित्सा की।

नेत्रदान

शाखा - रामगंज मंडी (राजस्थान दक्षिण पूर्व)
नेत्रदान कर्ता - वैभव कीमती
प्रेरक - संजय विजावत सुनील जैन
प्राप्तकर्ता - डॉ. कुलवन्त, शाइन इण्डिया

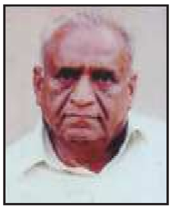

रोहतक व झज्जर जिला (हरियाणा दक्षिण)
नेत्रदान कर्ता - श्री सीताराम गुप्ता - पिता श्री विजय गुप्ता
प्रेरक - श्री अशोक गुप्ता, प्रकल्प प्रभारी

रोहतक व झज्जर जिला (हरियाणा दक्षिण)
नेत्रदान कर्ता - श्रीमती बीना सहगल- माता श्री राकेश सहगल
प्रेरक - श्री अशोक गुप्ता, प्रकल्प प्रभारी

रोहतक व झज्जर जिला (हरियाणा दक्षिण)
नेत्रदान कर्ता - श्री चुन्नी लाल गुलाटी - पिता श्री धीरज गुलाटी
प्रेरक - श्री अशोक गुप्ता, प्रकल्प प्रभारी

यत्र तत्र

- मीरा शाखा द्वारा स्थापना दिवस का आयोजन किया गया।
- उकलाना मंडी, हरियाणा पश्चिम द्वारा जनता को रेलवे स्टेशन पर वाटर कूलर समर्पित किया गया।
- आदर्श जयपुर, राजस्थान उत्तर पूर्व में योग दिवस पर 100 लोगों ने सामूहिक योग किया।
- गोपालपुरा, रावटभाटा, राजस्थान दक्षिण के ग्राम विकास द्वारा पानी की पाइप लाइन का शुभारम्भ किया गया।
- के.आर नगर तथा कश्यप शाखा द्वारा पौधा रोपण किया गया।
- अलीगढ़ संस्कार, ब्रज प्रदेश द्वारा पर्यावरण गोष्ठी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।
- बोकारो थर्मल, झारखण्ड में नई वस्ती स्कूल में मेडिकल परीक्षण सम्पन्न हुआ।
- सत्काम जावालि, कर्नाटक द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन किया गया।
- नेत्र ज्योति अलीगढ़ ब्रज प्रदेश ने 51 पौधे लगाकर वृक्षारोपण किया।
- सुमेरपुर शिवगंज, राजस्थान पश्चिम शाखा के बगीचे का अवलोकन केन्द्रीय टीम ने किया।
- बालोतरा शाखा द्वारा निर्जला एकादशी पर फल एवं शीतल पेय का वितरण किया गया।
- होशियारपुर, पंजाब द्वारा वृद्धाश्रम में महिला दिवस पर उपहार तथा मिठाईयाँ दी गई।
- खुर्जा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश शाखा द्वारा योग दिवस तथा बेटी बचाओ पर समर कैम्प का आयोजन
- अबोहर, पंजाब दक्षिण गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन का आयोजन।
- कुरुक्षेत्र, हरियाणा उत्तर ने डॉ. सूरज प्रकाश जयन्ती मनायी।
- शिवाजी रोहिणी, दिल्ली उत्तर शाखा द्वारा बस स्टेण्ड पर ठंडे जल तथा फलों का वितरण किया गया।
- राजसमन्द, राजस्थान मध्य स्थानीय मोक्षधाम में वृक्षारोपण किया गया।
- अर्बन स्टेट जालंधर, पंजाब उत्तर द्वारा मीठे जल की छबली, छोले पुड़ी तथा खरबूजे बांटे गये।
- स्वरगेट पुणे द्वारा कटराज में 100 पौधे महिला शाखा द्वारा लगाये गये।
- अनूपुर शाखा विन्ध्य द्वारा वृक्षारोपण किया गया। मनोज द्विवेदी उपस्थित रहे।
- करौली शाखा द्वारा गोमतीदास आश्रम में सदस्यों ने सामूहिक आरती कर स्थापना दिवस मनाया।
- हांसी, हरियाणा पश्चिम द्वारा मुलतानी कॉलोनी मे 60 पौधे ट्री गार्ड सहित लगाये गये।
- कापरेन, राजस्थान दक्षिण पूर्व शाखा द्वारा चयनित ग्राम श्रीपुरा जिला बुन्दी का निरीक्षण किया गया
- कोटा सुभाष द्वारा वृक्षा रोपण किया गया।
- शामगढ़ शाखा द्वारा पर्यावरण जागरूकता के अन्तर्गत डी.एम. प्रकाश नायक तथा तहसीलदार राधा महंत ने वृक्षारोपण किया।
- भामाशह उदयपुर द्वारा पर्यावरण हितकारी पौधारोपण किया गया। हिरनेश्वर महादेव मंदिर परिसर में पीपल, विल्व आम, अमरूद के वृक्ष लगाये गये।
- बीकानेर शाखा द्वारा राजस्थान पत्रिका के सहयोग से हरियालो राजस्थान कार्यक्रम में पौधारापेण किया गया। संरक्षक डॉ. ए.के.गहलौत का सहयोग रहा।
- सीतापुर शाखा द्वारा गुरु नानक कॉलोनी में 3000 बच्चों की सहभागिता से वृक्षारोपण किया गया।

सितारगंज उत्तराखण्ड पूर्व विद्यालय में पर्यावरण गोष्ठी की गई तथा 100 फलदार वृक्ष लगाये गये। अध्यक्ष पवन बड़ीवाल ने आभार किया।

- छीपाबडौत राजस्थान के मासिक नेत्र शिविरों में 110 मरीजों का ऑपरेशन किया गया।

- रायबरेली शाखा द्वारा योग शिविर में सामूहिक अभ्यास कराया गया।
- पिलखुआ शाखा द्वारा पौधारोपण करके नगर में पौधा संरक्षण का संदेश दिया।
- सिलचर असम शाखा द्वारा कार्यशाला का आयोजन एन.आई.टी. सिलचर में हुआ।
- कमला नगर, दिल्ली मध्य शाखा द्वारा ठंडे पानी की छबील निर्जला एकादशी पर लगाई गई।
- चण्डीगढ़ पंजाब पूर्व द्वारा भंडारे में 650 मरीजों तथा निर्धन लोगों को भोजन कराया गया।
- बोकारो, झारखण्ड शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर परिषद् के सेवा प्रकल्पों पर चर्चा हुई।
- जनकपुरी, दिल्ली पश्चिम शाखा द्वारा सनातन धर्म मंदिर में डॉ. सूरज प्रकाश जयन्ती मनाई गई।
- Tejashwani Allahad Branch planted 100 plants in Village Rataure and Vikalp vridhaashram

रुड़की शाखा के प्रान्तीय सेमिनार में डॉ. प्रतिष्ठा शर्मा योगाचार्य का उद्‌बोधन

डॉ. प्रतिष्ठा शर्मा - योगाचार्य (रुड़की)

भारत विकास परिषद् यथा नाम तथा गुण। परिषद् द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर आयोजित गोष्ठी में आने का मुझे गौरव है। हम तो उस संस्कृति के है जहाँ कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यते रमते तत्र देवता। हम नवरात्रि में व्रत रखते हैं, मंदिर में देवी की उपासना करते हैं लेकिन जो देवी हमारे घर में पत्नी, माँ, बेटी के रूप में उसका सम्मान नहीं है। जब हम बेटी बचाओ की चर्चा करते हैं तो हमारे देश में यह आवश्यकता क्यो पड़ रही है। विश्व के अनेक देशों में भ्रमण के बाद इस निष्कर्ष पर हूँ कि हमारे देश में इस अभियान को चलाना एक शर्म की बात है। विश्व में कही पर भी भ्रूण हत्या अथवा परिवारों में महिला का उत्पीड़न एवं शोषण नहीं पाया जाता है। हमारे देश में पारिवारिक हिंसा की शिकार 60% महिलाए शिक्षित है। तथाकथित पढ़े लिखे समाज में महिलाएँ पारिवारिक हिंसा का शिकार होती है। हम यह नहीं सोचते कि समाज क्या कहेगा। हमारी पीढ़ी पर इसका क्या असर होगा। इस कारण हम सब सहन करते हैं और चुप रह जाते हैं। यूनिसेफ के आंकड़ों के अनुसार 55% शिक्षित समाज के लोग महिलाओं पर हाथ उठाना जायज मानते हैं। हम किस समाज का निर्माण कर रहे है, क्यों कर रहे है। हम अपने बच्चों के लिए माता पिता के रूप में क्यों प्रेरणा स्रोत नहीं हो सकते। हमारे मन की स्थिति हमारे समाज का निर्माण करती है। हमारा पारिवारिक जीवन हमारे समाजिक जीवन का निर्माण करता है। इस समाज की कुप्रथाओं जैसे छीटाकशी करना, लड़कियों को घर के अन्दर रखना और लड़कों को खुली छूट देना। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में इन घटनाओं का करण अशिक्षा है। लेकिन यह बहुत छोटा कारण है बुढ़ापे की सहारा होने का तर्क। सोचकर देखिए आज बेटो के मुकाबले बुढ़ापे में सहारा लड़कियाँ अधिक देती है। दूसरी समस्या है दहेज। विवाह संबंधों में दहेज एक बड़ा कारण है। हम अपनी लड़की को एक भिखारी को क्यों देना चाहते है। मेरे परिवार में जितनी जिम्मेदारी मेरी है उतनी ही मेरी पति की भी है। यह कहा जाता है कि एक सफल पुरुष की प्रेरणा एक नारी होती है। लेकिन एक सफल नारी की प्रेरणा भी एक पुरुष होता है। हम घर, बाहर का काम बराबारी से करते है। बराबरी से अपनी बेटी को संभालते हैं। लेकिन जब हम बहू लाते हैं तो उसे बेटी का प्यार नहीं देते। आखिर वह भी किसी की बेटी है। दहेज को हम दोहरे मापदण्ड पर नहीं नाप सकते। छेड़ छाड़ और अभद्रता एक बड़ी समस्या है। हम अपने लड़कों को यह सिखाने में असमर्थ है कि नारियों का सम्मान करना चाहिए। जब घर में माँ का सम्मान नहीं होता तो समाज में लड़का नारियों के सम्मान की शिक्षा कहाँ से सीखेगा। हमें समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। इसके लिए हमें स्वयं को बदलना होगा तभी समाज में परिवर्तन आयेगा। हमारी माताओं को परिवर्तन की आवश्यकता है। अपने संस्कारों को अपने परिवार में विकसित करें। योग इसका एक बड़ा माध्यम है। योग के नियम, मंत्र हमारे जीवन को बदल सकते हैं आइये हम शपथ लें कि दहेज न लेंगे न देंगे। इवटीजिंग न करेंगे न होने देंगे।

पर्यावरण -प्रवास डॉ. एम.जी.वार्ष्णेय

कटनी शाखा के तत्वावधान में पर्यावरण कार्यशाला के आयोजन तथा हरित बाल गोकुलम का शुभारम्भ हुआ। जबलपुर में 10 शाखाओं की कार्यशाला में पर्यावरण कार्यक्रमों पर विस्तृत योजना बनी। हरित बाल गोकुलम की योजना को जबलपुर के सभी स्कूलों में ले जाने का संकल्प लिया गया। डॉ. सूरज प्रकाश जयन्ती का आयोजन शाखा अध्यक्ष नमन छिब्बर तथा जगदीप सिंह के निदेर्शन में छात्रों को पर्यावरण सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

आओ कुछ हंस लें-

1. **बैंक में नवनियुक्त** कैशियर से मैनेजर ने पूछा - पैकेट और बंडल का फर्क जानते हो

   कैशियर बोला - हाँ साहब पैकेट सिगरेट का होता है और बण्डल बीड़ी का होता है।

2. **एक डॉक्टर** ने मरीज से कहा कि साधारण चोट है, कोई चिन्ता की बात नहीं है।

   फिर अचानक उसकी नजर नीचे ब्राण्डेड जूतो और कपड़ों पर पड़ी।

   देखते ही बोला लेकिन फिर भी सेफ साइड के लिए MRI तो करा ही लो।

3. **एक बार एक पुजारी** और वकील मर गए और दोनों स्वर्ग के दरवाजे पर खड़े हो गए, यमदूत ने उन दोनों को अन्दर भेजा और दोनों अन्दर चले गए।

   अन्दर एक और यमदूत खड़ा था जो उन दोनों को उनके कक्ष तक ले गया।

   पहले पुजारी को उसके कक्ष तक छोड़ा जो एक छोटा सा कमरा था जिसमें एक बिस्तर और छोटा सा डैस्क लगा था। पुजारी ने यमदूत को धन्यवाद कहा और यमदूत वकील को लेकर उसके कक्ष की तरफ चल पड़ा।

   जब वो दूसरे कक्ष के पास पहुँचा तो एक बहुत बड़ा कमरा था जिसमें डबल बेड, एक बड़ी आलमारी, किताबों से भरा हुआ रैक सभी प्रकार के सुविधाओं से वो कमरा भरा हुआ था।

   वकील ने कहा कि मुझे यह समझ में नहीं आया कि आपने पुजारी को एक छोटा सा कमरा दिया और मुझे सारी सुविधाओं से भरा ये इतना बड़ा कमरा?

   इस पर यमदूत बोला, ''साहब हमारे पास यहाँ स्वर्ग मं बहुत से पुजारी हैं'' पर वकील आप पहले हैं इसलिए।

4 **एक दुकान के बाहर लिखा था** - इन्सानों की तरह बात करने वाला कुत्ता बिकाऊ है।

   एक आदमी दुकानदार से जाकर बोला - मैं उस कुत्ते को देखना चाहता हूँ.... दुकानदार ने कहा साथ के कमरे में बैठा है, जा कर मिल लो।

   ग्राहक उस कमरे में गया। कुर्सी पर एक हट्टा-कट्टा कुत्ता बैठा था। पूछा क्यो भई, तुम यहाँ क्या कर सकते हो?

   कुत्ते ने बताया - कर तो मैं बहुत कुछ सकता हूँ, लेकिन आजकल इस दुकान की रखवाली करता हूँ। इससे पहले अमेरिका के जासूसी महकमे में काम करता था और कई खूंखार आतंकवादियों को पकड़वाया....फिर मैं इंग्लैण्ड चला गया जहाँ पुलिस के लिए मुखबरी करता था। एक साल बाद यहाँ आ गया।

   उस आदमी ने दुकानदार से पूछा - इतने गुणवान कुत्ते को आप बेचना क्यों चाहते हैं?

   'अव्वल नम्बर का झूठा है...' जवाब मिला।

5. **एक बार इंजीनियरिंग** के सभी प्रोफेसरों को एक विमान में बैठाया गया साथ ही उनके कॉलेज के प्रिंसिपल को भी बैठाया गया और उद्घोषणा की गई कि 'यह विमान आपके छात्रों ने बनाया है'।

   इतना सुनते ही सभी प्रोफेसर उतरकर भाग गए, प्रिंसिपल नहीं भागे।

   लोगों ने पूछा - सर आपको डर नहीं लग रहा।

   प्रिंसिपल - मुझे अपने छात्रों पर पूरा भरोसा है.... विमान स्टार्ट ही नहीं होगा।

6. **बन्ता** - अगर आपकी बीबी को भूत पकड़ले तो आप क्या करोगें?

   सन्ता - मैंने क्या करना है वह खुद भुगतेगा, गलती तो भूत की है।

7. **Santa:** What is fine?

   Banta: Fine is tax for doing wrong.

   Santa: what is tax?

   Banta: Tax is fine for doing right.

रुद्रपुर, उत्तराखण्ड पूर्व : शाखा के आतिथ्य में प्रान्तीय स्थापना दिवस जेसीज पब्लिक स्कूल में प्रान्त की शाखाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ। रुद्रपुर, हल्द्वानी, शक्ति फार्म, सितारगंज, खटीमा, गदरपुर, बाजपुर, बनवासा शाखाओं द्वारा समय बहुत अनमोल है, पृथ्वी बचाओ जीवन बचाओ, बैटी बचाओ, योग का रहस्य, वन्दे मातरम् नृत्य, स्वच्दता अभियान, दशावतार, गिटार वादन, अलबेला मुरलीवाला और पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव जैसे उत्कृष्ट कार्यक्रम सदस्य परिवारों ने प्रस्तुत किये। परिषद् की पंचसूत्री पर आधारित नाटक में निःस्वार्थ सेवा, सहयोग और समय पालन को प्रेरित किया गया। राजू कुमार ठुकराल, विधायक, सुरजीत सिंह ग्रोवर, डायरेक्टर, सुरेश चन्द्र गुप्ता, जिला संघचालक उपस्थित रहे। प्रान्तीय अध्यक्ष विजय भूषण गर्ग की सक्रिय टीम ने सदस्यों की 25वीं वैवाहिक वर्षगाठ पर उन्हें सम्मानित किया साथ ही इस अवसर पर मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

सूचना

रीजनल महिला कार्यशाला मध्य रीजन - स्थान उदयपुर, दिनांक 20.11.2016, विषय बेटी बचाओ, महिला सहभागिता, महिला एवं बाल कल्याण, संस्कार शिविर, परिवार प्रबोधन। सभी महिला कार्यकर्ता आमंत्रित हैं। -डॉ. संतोष गोधा, सम्पर्क 9929106872

WHO IS RICHER? WHO IS POORER?

Once a lady with a six month bay stayed in a Hotel with family, can I get a cup of milk' asked the lady to the hotel manager. Yes madam but you have to pay for it. No problem while driving back from hotel the child was hungry again they stopped at a road side tea stall and took milk from the tea vendor. How much? She asked to tea vendor. Madam! we do not charge money for kid's milk. The old man said with a smile let me know, if you need more for the journey. The lady took one more cup and left. She wondered. Who is richer? The hotel manager or the tea vendor? **BVP GK-I**

पाठक पत्र!

- **कृष्णा चौधरी, पंचकुला** ने लिखा कि पिछले कुछ महीनों से नीति में रोचक सामग्री प्रकाशित हो रही है। पढ़ कर बहुत अच्छा लगा। धन्यवाद।
- श्री गोपाल जी, रुड़की नीति के अंक में संगठन की सफलता के रहस्य तथा कार्यकर्ताओं के दिशा निर्देश बहुत प्रभावी ढ़ंग से प्रकाशित किये गये हैं। धन्यवाद।
- बरवाला गायत्री शाखा दिनेश शर्मा लिखते हैं। नई नीति पत्रिका में बदलाव के लिए बधाई। अब पत्रिका में स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता, हास्य, कविता की जानकारी रोचक होती है। पुनः बधाई।
- संस्थापक अध्यक्ष श्री नारायण चौधरी, जसवन्त नगर लिखते हैं कि नीति का नया कलेवर साथियों को बहुत पसन्द आ रहा हैं अच्छी शुरूआत है। प्रेरणादायक समाचार देकर आपने समय की मांग पूरी की है। बधाई।
- प्रान्त में तुलसी पौधा वितरण का कार्यक्रम चल रहा था। नीति के बारे में भी चर्चा होने लगी। एक प्रबुद्ध सदस्य ने कहा कि नीति में केवल शाखाओं के समाचार ही आते हैं। मैंने बड़े गर्व से कहा कि आपने शायद अरसे से नीति नहीं पढ़ी है। उन्हें नीति के बारे में बताने में मुझे गर्व का अनुभव हो रहा था। सम्पादक और टीम को बहुत-बहुत बधाई। -जोगीराम जैन, प्रदेशाध्यक्ष दिल्ली मध्य।
- कुमकुम कपूर, अलवर, अगस्त अंक में हिन्दी तथा अंग्रेजी में प्रूफ रीडिंग में ध्यान नहीं दिया गया है।
- **Thanks Niti July 2016:** The new format is excellent. We love reading it. Now I request my wife to read the short stories. I have started Xerox copies of short stories and distribute them to friends and students. Suggestion. I request to print short stories in continuous page to make it carry to copy, (Editor's sub mission) Niti fully readable it will give an opportunity to go through it). The word vihval (page32) means emotional. Read correctly. Yatra Tatra gives news at a glance. I and Dr. Mrs. Alka Chaddha going to primary schools (50) in nabi Mumbai. -R.K.Modi

राजस्थान दक्षिण

उदयपुर : शाखा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में अमेरिकी शोधकर्ता अभिनव पांडया ने भारतीय संस्कृति पर अन्तर्राष्ट्रीय दबावों का जिक्र करते हुए बताया कि योजनावद्ध तरीके से भारतीय संस्कृति और प्राचीन मान्यताओं के अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। भारत को इससे सतर्क रहना होगा। राष्ट्रीय चेयरमैन अशोक जाधव ने राजस्थान के क्षेत्र में 12 ग्रामों के विकास योजनाओं का जिक्र किया इनमें भिलूड़ी तथा जावड़ा गाँव मुख्य है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक ने देश में परिषद् को सेवाकार्यो तथा शाखा द्वारा संस्कार के आयोजनों की जानकारी दी। सलूम्बर, सागवाड़ा तथा चित्तौड़गढ़ में कार्यकर्ता सम्मेलनों में श्री पारीक जी ने सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। स्थानीय चाणक्यपुरी पार्क में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीतारम पारीक जी ने वृक्षारोपण किया। अध्यक्ष यवन्ती कुमार वेलिया के साथ सभी पदाधिकारियों ने फलदार वृक्ष लगाये। स्थापना दिवस पर डॉ. सूरज प्रकाश को याद किया गया। शिवशंकर गौशाला में 200 गायों के लिए 50 क्विंटल चारा दिया गया।

आज भी खरे है तालाब -अनुपम मिश्र

सैकड़ो, हजारो तालाब, अचानक शून्य से प्रकट नहीं हुए थे इसके पीछे एक इकाई थी बनाने वालों की, तो दहाई थी, बनाने वालों की। यह इकाई मिलकर, सैकड़ा हजार बनाती थी। पिछले दो सौ वर्षों में नये किस्म की थोड़ी सी पढ़ाई पढ़ गये, समाज ने इस इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार को शून्य ही बना दिया।

भामाशाह उदयपुर : शाखा में चित्रा मेनारिया के गीत से प्रारंभ कर डॉ. सूरज प्रकाश जयन्ती मनाई। प्रभाव न्याति ने भामाशाह के जीवन प्रसंग सुना। आईसी.आई बैंक के प्रशिक्षक रिषभ कुमार बेलिया ने वृक्षारोपण में बैंक की योजनाएँ बताई। वाणिज्य सीनियर सेकेण्डरी के टॉपर अनीशा माहेश्वरी का सम्मान किया गया।

बांसवाड़ा : शाखा द्वारा 150 बच्चों का संस्कार शिविर लगाया गया। शिविर में योग, ध्यान, प्राणायाम तथा अन्या वोकेशनल प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. महीलापल सिंह, नितेश मेहता ने व्यवस्था संभाली। डॉ. आशा मेहता, अंजना, याज्ञिक, डॉ. दर्शन ने संचालन किया। स्थापना दिवस पर संस्थापक डॉ. सूरज प्रकाश को स्मरण किया गया।

कैसे थे वे लोग (गवाही)

बुलन्दशहर की कुचेसर रियासत का केस अलीगढ़ की आदालत में चल रहा था जिसमें हमारे बाबा रामचन्द्र सहाय को राज्य की ओर से गवाही देनी थी। हमारे बाबा 6.00 मासिक पर महाजन के मुनीम की नौकरी करते थे और सच बोलने के लिए दूर-दूर तक जाने जाते थे। राज्य के पक्ष में गवाही देने के लिए रुपये 16000/- तय हुए। समय पर राज्य के रथ पर बैठकर वे अलीगढ़ अदालत में पहुँचे। गवाही देने से पहले गीता पर हाथ रखकर उनसे सच बोलने की शपथ दिलाई गई। लेकिन वे सिहर गये, उनका शरीर कांप उठा। उन्होंने गीता वापस करते हुए कहा कि मैं झूठी गवाही नहीं दे सकता। वे वापस घर के लिए चल दिये। राजा ने अपना रथ हटवा लिया। मेरे बाबा अलीगढ़ से स्याना तक चने खाते हुए पैदल चले आये। इस प्रकार झूठ न बोलने की कीमत चुकानी पड़ी।

-एस.के.रस्तोगी, पूर्व प्रभारी वनवासी सहायता योजना, अलकनन्दा, नई दिल्ली

राजस्थान मध्य

सुभाष भीलवाड़ा : आई.आई. मुम्बई के तीन छात्र सुशील रेड्डी, कुणाल टेलर और हिमांशु अपनी सौर ऊर्जा से चलने वाली साइकिल पर 7000 किलो मीटर की यात्रा पर निकले हैं। भीलवाड़ा शाखा ने उनके स्वागत के लिए वरिष्ठ नागरिक भवन में उनका सम्मान किया।

आदर्श अजमेर : शाखा द्वारा उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन किया गया। प्रधानाचार्य सजन सिंह चौहान तथा अध्यक्ष रामचन्द्र शर्मा ने विद्यार्थियों को गुरु शिष्य परम्परा के बारे में बताया। 10 पौधों का रोपण किया गया। दो मेधावी छात्र तथा कुशल अध्यापकों को सम्मानित किया गया।

पचपदरा : शाखा द्वारा आदर्श विद्या मंदिर में प्रधानाचार्य

रणछोड़ राम ने गुरु महिमा का उल्लेख किया। सीताराम राठी अनिल गोयल ने कहा कि गुरु की वाणी का अमृत पीकर ही शिष्य अपना और गुरु का नाम रोशन करते हैं।

ब्यावर : शाखा द्वारा बैकुन्ठ धाम के बाहर वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण नवनिर्मित मुक्तिधाम छावनी रोड पर किया गया। सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से तो बुलाना।

कमीज़ के बटन ऊपर नीचे लगाना।
वो अपने बाल खुद न काढ़ पाना
पी.टी. शूज को चाक से चमकाना
वो काले जूतों को पैट से पोछते जाना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से तो बुलाना।
वो बड़े नाखूनों को दांत से चबाना
और लेट आने पे मैदान का चक्कर लगाना
प्रेयर के समय क्लास में ही रूक जाना
पकड़े जाने पर पेट दर्द का बहाना बनाना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से तो बुलाना।
वो टिन के डिब्बे को फुटबाल बनाना
ठोकर मार-मार कर उसे घर तक ले जाना
साथी के बैठने से पहले बेंच सरकाना
और उसके गिरने पर जोर से खिलखिलाना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से तो बुलाना
गुस्से में एक दूसरे की कमीज़ पर स्याही छिड़कना
वो लीक करते पेन को बालों से पोछते जाना
बाथ रूम में सुतली बम पे अगरवत्ती लगा छुपाना
और उसके फटने पे कितना मासूम बन जाना
ऐ मेरे स्कूल मुझे ज़रा फिर से तो बुलाना।

अजमेर : शाखा द्वारा राजकीय आदर्श विद्यालय हाथीखेड़ा में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम में 400 विद्यार्थी 17 अध्यापक उपस्थित रहे। परिषद् ने श्रीमती ओमवती, सीमा शर्मा, दुर्गेश कंवर, मुकेश शर्मा को सम्मानित किया गया। छात्र मनवीर, सूरज, सुन्दर, जसवीर एवं कुमारी शिवानी का अभिनन्दन किया गया।

राजस्थान पश्चिम

बाड़मेर : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर दो डीप फ्रीज़र शवों को सुरक्षित रखने के लिए जिला अस्पताल को प्रदान किया गया। जिला कलेक्टर सुधीर शर्मा ने अध्यक्षता की। मार्चरी परिसर में आर.ओ.युक्त शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई तथा वृक्षारोपण किया गया। डॉ. देवेन्द्र भाटिया चिकित्साधिकारी ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर ओमप्रकाश मेहता, ओमप्रकाश गुप्ता, ताराचन्द जाटौल उपस्थित रहे। सरस्वती विद्या मंदिर में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम मनाया गया। डी.डी मेधाणी परिवहन अधिकारी, महेश पनपालिया धारा संस्थान बाड़मेर अतिथि थे। गुरु जनों तथा विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। नितिन शर्मा ने छात्रों का यातायात नियमों की जानकारी दी। विद्यालय प्रधान पुष्प कचर शेखावत ने धन्यवाद दिया। शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन में शिक्षा अधिकारी गोरधनराम सुथार ने भावी पीढ़ी को संस्कारवान एवं सेवाभावी बनाने की बात कही। प्रतिभाशाली छात्रों को प्रशस्ति पत्र दिये गये। शिक्षक स्वरूप सिंह ने आभार जताया।

आबू रोड : स्थापना दिवस पर कैदियों तथा मरीजों को अल्पाहार तथा फल वितरित किये गये।

जल संरक्षण

(जल है तो कल है)

जल संरक्षण सीखना बहुत जरूरी आज
निर्भर इस पर करेगा कल का सुखी समाज
जल स्तर नीचे गिर रहा लगातार दिन रात
कब समझेंगे हम इसे चिन्ता वाली बात
जल की कीमत जानता वह प्यासा इन्सान
जिसके भाग्य में हो बढ़ा तपता रेगिस्तान
बिन भोजन जीना जिसे कुछ दिन था आसान
जल बिना उसको यू लगें जैसे निकलें प्राण
खारा जल उपलब्ध है सागर कितने पास
ऐसा जल किस काम का जो नहीं बुझाए प्यास
जल संरक्षण के प्रति सोई है सरकार
जन आन्दोलन के लिए ढ़ीली है रफ्तार
नग्न पहाड़ी चोटियाँ वन का किया विनाश
अब भी मन में क्यों बंधी सुख वर्षा की आस
बहती टोंटी बन्द कर बंद करें छिड़काव
कारें धोना भूल कर जल का करें बचाव

-गोविन्द चावला 'सरल', अम्बाला छावनी

राजस्थान दक्षिण पूर्व

सुभाष कोटा : शाखा द्वारा माधव नर्सिंग होम परिसर में प्रान्त सेवा प्रमुख विजय आनन्द जी के द्वारा सभी सदस्यों के साथ 31 वृक्ष लगाये गये। इसके अतिरिक्त गौशाला का शुभारम्भ, स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति का अनावरण एवं स्थापना दिवस सम्पन्न हुआ। स्थापना दिवस पर पाँच सूत्रों पर आधारित नाटय मंचन

किया गया। सभरी वर्गों के लिए खेलों का आयोजन सम्पन्न हुआ। सम्पर्क सूत्र पर कृष्ण लीला, गोपी ग्वाल का आयोजन, सहयोग पर बूढ़ी विधवा के सहयोग का, संस्कार पर आधुनिक विवाह पद्धति के मंचन से व्यंग हुआ। सेवा पर हॉवी होती पश्चिमी संस्कृति का व्यवहार दिखाया गया। समर्पण में भीष्म पितामह की प्रतिज्ञा और कृष्ण और द्रौपदी का समर्पण भाव मंचन हुआ। कार्यक्रम में 44 स्कूलों से आये 140 बच्चों, अभिभावकों एवं सदस्यों परिवारों ने आनन्द लिया।

केशोरायपाटन : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर 80 विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री प्रदान की गई तथा स्कूल परिसर में वृक्षारोपण सम्पन्न हुआ।

गरीब क्यों?

एक आदमी ने महावीर से पूछा
मैं इतना गरीब क्यों हूँ।
महावीर स्वामी ने कहा क्योंकि तुमने देना नहीं सीखा।
गरीब आदमी ने कहा।
मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं है।
महावीर स्वामी ने कहा तुम्हारी सोच किसी को मुस्कान दे सकती है।
तुम्हारा मुँह किसी की प्रशंसा कर सकता हैं
या दूसरों को सुकून पहुँचाने के लिए दो मीठे बोल बोल सकते हों
तुम्हारे हाथ किसी जरूरत मंद की सहायता कर सकते हैं
और तुम कहते हो तुम्हारे पास देने के लिए कुछ नही है।
आत्मा की गरीबी ही वास्तविक गरीबी है।
पाने का हक उसी को है जो देना जानता है।

रावतभाटा : शाखा द्वारा योग तथा रोग निवारण शिविर का आयोजन किया गया। 3 दिवसीय शिविर में ध्यान, प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया गया। श्री के.पी.ओझा के साथ मीता पारीक, पूनम, रेखा, सीमा, नीतू सक्सैना ने उत्साह से भाग लिया। स्थापना दिवस के आयोजन ने सर्वजन हिताय, एकात्मता, समरसता, सत्य, त्याग और समर्पण की चर्चा की गई। आदर्श विद्या मंदिर मे गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम में श्री गिरीराज ने गुरु की महिमा का उल्लेख कर बच्चों को सम्मानित किया। इस अवसर पर दीपांशु अरोड़ा तथा सोनाली प्रजापति को सम्मानित किया गया। कुल 9 विद्यालयों के अध्यापकों तथा छात्रों को सम्मानित किया गया।

छीपा बड़ौत : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर राजकीय चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण किया गया। श्री महेन्द्र नागर, सुरेश अधलक्खा, डॉ. पुरूषोत्तम मीणा उपस्थित रहे।

रामगंज मंडी : शाखा द्वारा वाहन रैली निकाली गई। सामूहिक प्रश्नमंत्र का आयोजन किया गया। प्रान्तीय सदस्यों मनोज, रोहित सुनेजा, शैलेश काला, प्रशान्त गुर्जर को शपथ दिलाई।

बारां : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर 30 मंदबुद्धि बच्चों को स्कूल किट, बिस्कुट स्टेशनरी दी गई। श्री नरेश अग्रवाल मोहन चतुर्वेदी और रमाकान्त का विशेष सहयोग रहा।

छाबड़ा : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर कुपोषित बच्चों के वार्ड में 74 बच्चों को बिस्किट, टॉफी तथा पुष्टाहार दिया गया। अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश गुप्ता की टीम ने व्यवस्था संभाली।

राजस्थान उत्तर

मीरा-बीकानेर : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर पौधारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सादुल कॉलोनी में योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें योगाचार्य डॉ. इन्दिरा मिश्रा, डॉ. जयश्री ने योगा कराया। पौधा रोपण कार्यक्रम में मोहर सिंह यादव प्रकल्प प्रभारी ने ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरों पर प्रकाश डालते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। श्रीमती इन्दिरा मिश्रा ने पौधों के पालन पोषण बच्चों की तरह करने का अनुरोध किया।

राजस्थान उत्तर पूर्व

धौलपुर : स्थापना दिवस पर शाखा द्वारा राजकीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष संस्कृत विद्यालय में 108 पौधे लगाये गयें सचिव ने बताया कि गुलाब, गुलमोहर, हरसिंगार, अनार, मीठा नीम, चारनी, शीशम के पौधे लगाये गये। प्राचार्य राघवेन्द्र पछगईया ने परिषद् का आभार जताया।

भिवाड़ी : कजरिया ग्रीन्स में तीज महोत्सव पर शाखा की महिला सदस्यों ने धमाज मचाया। दिव्याग बालिका राजवती को एक ट्राईसाईकिल दी गई। श्रुति और कृति की गणेश वन्दना, ममता और अर्चना द्वारा तीज प्रश्नोत्तरी सम्पन्न हुई। श्वेता, डॉ. नवनीता मीनक्षी, ममता, नीता ने सावन गीत गाये। प्रियंका सिंह ने तीज पर्व पर तम्बोला का आनन्द लिया। चूड़ी, मेंहदी, पेंटिग के स्टॉल और सोनम, प्रभा स्कूल के दिवयांग बच्चों ने राखियाँ बनाई। रोचक खेल रस्साकशी, तीज चौकड़ी, नोक झोक, पतंग का आनन्द लिया गया। राष्ट्रीय मंत्री ग्राम विकास राकेश गुप्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान पूर्व

करौली : शाखा द्वारा योग जागरूकता वाहन रैली का आयोजन किया गया। कनक होटल में योग गोष्ठी का आयोजन हुआ। बैद्य ब्रज नन्दन ने स्वास्थ्य लाभ के लिए योग पर बल दिया।

हस्तिनापुर

मवाना विराट : शाखा द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर में पर्यावरण गोष्ठी आयोजन में डॉ. गिरीश शुक्ल ने पौधारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। महर्षि कन्या विद्यालय में गमलों में पौधे लगाकर स्कूल में भेंट किये। नगर में लक्ष्मी देवी महाविद्यालय स्प्रिंगडेल्स पब्लिक स्कूल तथा उत्सव मंडप में सप्ताह का समापन हुआ।

अभिनव मेरठ : शाखा द्वारा सुन्दरकांड का पाठ कर प्रसाद वितरण किया गया। श्री भारत भूषण के निधन पर सचिव डॉ. निशा तायल ने नेत्रदान कराया। नगर के राधा गोविन्द बैंकट हॉल में जल संभरण यंत्र लगाया गया। आर.जी.इण्टर कॉलेज तथा मुख्य अभियन्ता कार्यलय पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग यंत्र लगाये गये।

महानगर मेरठ : शाखा द्वारा परिवार मिलन में गेम, नृत्य, संगीत प्रस्तुत किये गये। सरप्राइज गिफ्ट के लिए प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। श्रीमती छबि जैन ने तीज क्वीन का चुनाव किया। मुख्य अतिथि श्रीमती किरन यादव रहीं।

मेरठ मेन : डॉ. अशोक कुमार अहलूवालिया, प्रोफेसर सरदार पटेल विश्व विद्यालय ने शाखा द्वारा आयोजित गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम में गुरु के सम्मान को परिभाषित करते हुए कहा कि जो दूसरों के प्रामाद को रोकते हैं वे स्वयं निष्पाप रास्ते चलते हैं और सदैव कल्याण की कामना करते हैं उन्हें गुरु कहते हैं जब किसी को अर्न्तज्ञान प्राप्त होता है तब वह किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश करता है जिये यत्य का ज्ञान अपने जीवन से बढ़ कर हो। वह अपने ज्ञान को अगली पीढ़ी को दे सके। शिक्षक केवल पुस्तकों और शब्दों से ज्ञान देता है। जबकि गुरु शब्दातीत और व्यवहारिक ज्ञान देता है। इस अवसर पर श्रीमती अल्पना (आई.आई.एम.टी.) अनिल त्यागी (शक्ति निकेतन) अपुनमा सक्सैना (गार्गी स्कूल) अनुरंजिनी (तक्षशिला पब्लिक स्कूल), देव नागर (गोडविन) कृष्ण कुमार , पायस जॉन, प्रीति मल्होत्रा, राकेश कुमार, सविता, चड्ढ़ा, सुधांशु शेखर, विनीत सूद को शिक्षक सम्मान दिया गया। जबकि आर्ची, अपूर्वा, शिवा, तन्या, अभीष्ट, कृष्णम, शुभांगी को विद्यार्थी सम्मान दिया गया। डॉ. बेंद्रे, मीनू, रेणु का संचालन रोचक रहा।

मुजफ्फरनगर समृद्धि : शाखा स्थापना दिवस पर नमामि गंगे, अनोखा भारत राग तथा रंग विरंगा भारत की नृत्य प्रस्तुतियाँ तैयार की। श्रीमती मानसी, पूनम, मोनिका, विदुषी, प्रियंका, उपासना ने तैयारी की। नृत्य की थीम मानसी ने तैयार कीं नवीन सिंघल, अरुण खण्डेलवाल ने प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। महिला सहभागिता के अन्तर्गत शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुतीपा बोस, प्रधानाचार्या रहीं। रीता गोयल दूनवैली स्कूल विशिष्ट अतिथि थीं। मेडिकल ऑफीसर गीतांजलि वर्मा ने महिलाओं के आहार की गुणवत्ता पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं को बिना समुचित नाश्ता किये बाहर नहीं जाना चाहिए। आवलां के पाचन गुणों के बारे में भी बताया गया। डॉ. आरती ने नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य एवं टीकाकरण पर चर्चा की। रेणू गोयल ने बच्चों के समुचित एवं पौष्टिक आहार पर बल दिया। शारीरिक स्पर्धा वाले खेल फूटबाल, कबड्डी एवं हॉकी के बजाए मोबाइल की लत के करण बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। संचालन श्रीमती चेतना एवं अनुपमा ने किया। व्यवस्था में सुमन, मुक्ता, मीनाक्षी, वन्दना, नीरा, ऋचा, प्रतिभा, निधि का सहयोग रहा।

विवेक मुजफ्फरनगर : डॉ. सूरज प्रकाश जयन्ती पर कैरियर काउन्सिलिंग के लिए आंचल यादव एवं उमेश यादव ने सम्पन्न किया। 51 फलदार वृक्ष लगाये गये। मुख्य अतिथि कपिलदेव अग्रवाल ने परिषद् के कार्यों की प्रशंसा की। सुधीर गर्ग ने कहा कि बच्चों तथा युवा संस्कारों से ही देश में भ्रष्टाचार और पर्यावरण की समस्या का हल किया जा सकता है। धर्मवीर मणिक ने साक्षात्कार में सफलता के गुर बताए। इन्दु मिश्रा, सीमा, निशा, नीरज, साधना तथा निधि वर्मा ने पर्यावरण पर गीत और नृत्य नाटिका प्रस्तुत कराई। महिला सहभागिता में बच्चों के क्रियात्मक शिविर की रिपोर्ट दी गई। योग दिवस पर कोनिका देसाई, कपिलदेव ने भागीदारी की। निर्जला एकादशी पर मीठे पानी की छबील लगाई गई।

संकल्प मुजफ्फरनगर : मीठे पानी की छबील निर्जला एकादशी पर लगाई गई। योग दिवस पर महाराणा स्वामी त्र्यंबकेश्वर सरस्वती के संचालन में किया गया। आसन, ध्यान, प्राणायाम का प्रशिक्षण सामूहिक रूप से किया गया। गौशाला को हरा चारा भेंट किया गया। 275 लोगों ने मधुमेह की जांच की कराई।

संगम मुजफ्फरनगर : शाखा द्वारा एक वाटर कूलर लगाया गया। प्रान्तीय चेयरमैन शशिकान्त मित्तल का विशेष सहयोग रहा। रेलवे स्टेशन पर 4 कूड़ेदान लगाये गये। 2 व्हील चेयर की व्यवस्था दी गई। निर्जला एकादशी पर मीठे पानी की छबील लगाई गई।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

माधव हापुड़ : ज्ञान लोक पार्क में शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया। योगाचार्य सतीश कुमार जी ने सरल योग विधियों का प्रशिक्षण दिया। सचिव अमित सिंघल ने शाखा की योजनाओं की घोषणा की।

संस्कार हापुड़ : शाखा द्वारा पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण इन्द्रलोक में सम्पन्न हुआ। ईशु गुप्ता संयोजिका ने बच्चों के साथ पौधे लगाये। महिला सशक्तिकरण के लिए वन्दना

गुप्ता, आशा गर्ग, अल्का गर्ग, आसु गोयल, श्रेया सिंघल ने नया कार्यभार संभाला। ममता शर्मा ने शपथ दिलाई। योग दिवस पर कमला बालिका स्कूल में हापुड़ मेन, संस्कार अर्पणा, सृजन शाखाओं द्वारा योग दिवस सम्पन्न हुआ। योग गुरु उदय जी, डॉ. प्रेम लता तिवारी ने योगाभ्यास कराया। बाम्बू ग्रुव स्कूल में डॉक्टर्स डे मनाया गया जिसमें चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

उत्तराखण्ड पश्चिम

अविरल गंगा रुड़की : स्थानीय राजकीय प्राथमिक विद्यालय मतलबपुर में शाखा द्वारा शौचालयों का निर्माण तथा स्थाई पानी टंकी की व्यवस्था की गई। अध्यक्ष डॉ. संगीता सिंह तथा साक्षी त्यागी के प्रयत्न से बच्चों को स्वच्छ रहने तथा स्कूल में स्वच्छता रखने का संकल्प कराया गया। डॉ. सत्येन्द्र मित्तल ने छात्राओं को स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी। डॉ. रणधीर सिंह ने शिष्टाचार तथा सद्व्यवहार के बारे में विचार रखते हुए। विद्यालय को स्थाई रूप से गोद लेने की अपील कीं भारत भूषण जी ने बच्चों की प्रशंसा की।

रक्तदान

कतरा कतरा खून का जीवन की रसधार
खून अपना देकर करें प्राणों का संचार
रक्तदान एक फर्ज है रक्तदान एक धर्म
रक्तदान है दोस्तों सबसे पावन कर्म
मानवता के मंच से कर दो यह एलान
समय समय पर हम सभी रक्त करेंगे दान
धन्य धन्य वह कुल हुआ धन्य हुआ इंसान
जो औरों के वास्ते करता शोणित दान।

–**पवन राठी**, बीकानेर

अवध प्रदेश

रायबरेली : शाखा द्वारा स्थापना दिवस आयोजन पर श्री विकास शर्मा कार्यकारी निदेशक फुट वियर डिजायन, मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का संयोजन आशुतोष जौहरी द्वारा सम्पन्न हुआ।

महिला शाखा लखनऊ : शाखा द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के कार्यक्रम के अन्तर्गत लक्ष्मी नारायण कॉलेज की अंजली, सोनिया, मानसी तथा खुनखुन जी कॉलेज की कुमकुम, प्रीति, दिव्या, प्रिया, आंचल की पढ़ाई की जिम्मेदारी परिषद् द्वारा सम्पन्न की जाएगी। इसके अलावां श्रद्धा (3 वर्ष), रोशनी (1 वर्ष), अनुरागिनी (9 माह), शगुन (5 माह) आनन्दी (10 माह) की बच्चियों का कुशल पालन पोषण परिषद् की महिलाए करेंगी। अध्यक्ष कंचन अग्रवाल ने घोषणा की।

प्रयाग

इलाहाबाद : परिषद् की समस्त शाखाओं द्वारा स्थापना दिवस में प्रो. एम.पी.दुबे कुलपति राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय अस्मिता और संस्कृति की रक्षा करने के लिए प्रतिवद्ध होने पर बल दिया। परिषद् के द्वारा मलिन बस्ती सहायता, अक्षर ज्ञान, महिला सिलाई केन्द्र चलाए जा रहे हैं। टंडन विश्वविद्यालय में अनेक कौशल विकास कोर्स संचालित किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. आर.बी.श्रीवास्तव ने परिषद् के द्वारा राष्ट्रीय आपदा पर किये गये सेवा कार्यो का जिक्र किया। श्री शिवनन्दन गुप्ता तथा डॉ. हरीश चन्द्र रीजनल मंत्री ने भी संबोधित किया।

बेटियाँ

ईट पत्थर के मकां के घर बनाती बेटियाँ
है अदब तहजीव क्या सब कुछ सिखाती बेटियाँ
खुशनसीबों के यहाँ खिलती है ये नन्ही कली
और फिर आगन में खुशबुऐं लुटाती बेटियाँ
दूध मक्खन सब दिया बेटे से पर आँसू मिले
सूखी रोटी खा के भी है मुस्कुराती बेटियाँ
आँख का तारा ही जब घर में अंधेरा कर गया
सैकड़ों तारों की तरह टिमटिमाती बेटियाँ
बाप को गर धूप में तपते जो देखा दोपहर
ओढ़नी अपने सरो की हैं उढ़ाती बेटियाँ
वो नई साइकिल चलायें बड़ा नाराज है
एक अरसे से मगर बेलन चलाती बेटियाँ
देखिये अपनों की मुश्किल से बचाने का हुनर
नकचढें बेटों के लिए डाट खाती बेटियाँ
रात को बारह बजे उसकी तरक्की के लिए
नींद से उठकर उसे कॉफी पिलाती बेटियाँ
बाप के घर का सफर कर खत्म जब होती विदा
अश्क बनकर आँख में तब झिलमिलाती बेटियाँ
ज़िन्दगी वक्शी हमें हमने उन्हें ये क्या दिया
जन्म लेने से भी पहले मारी जाती बेटियाँ

–**एस.एस. त्रिवा**, डिप्टी कमिश्नर,उत्तराखण्ड

ब्रह्मावर्त

तिर्वा : शाखा द्वारा नगर में विशाल पौधारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। स्थानीय मेडिकल कॉलेज के निकट 250 वृक्ष लगाये गये। आम, आँवला, जामुन, कटहल तथा फलदार पौधे 2500 बांटे गये। रीजनल मंत्री शशि भूषण गुप्ता समन्वय सचिव सागर सिंह यादव तथा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गोविन्द कानपुर : शाखा द्वारा स्थापना दिवस आर्य समाज मंदिर में सम्पन्न हुआ। श्री महेश चन्द्र जी ने डॉ. सूरज प्रकाश

एवं परिषद् पर प्रकाश डाला। गुरु गोविन्द सिंह पार्क में 50 फलदार पौधे लगाकर वृक्षारोपण किया गया। श्रीमती अनिला शर्मा, मोनिका कपूर, ब्रिज सोटा का सहयोग रहा।

''वृक्ष से अन्याय''

बचाव बचाव कहाँ से आवाज रोने की आई
कोई सुनने वाला न था
कोई आँसू पोछने वाला न था
घूमा देखा चिर-चिर की आवाज फिर से आई
बड़ी आरी लिए दो हत्यारे जवान आमने-सामने बैठे थे
किसी की जड़ काट रहे थे।
लहू जो दिखा न था वह बह रहा था।
हाय-हाय चिर-चिर की आवाज बुलन्द थी
आँख से आंसू सूख रहे थे
आँख पलटती जा रही थी
कोई बचाने वाला न था।
आज 10 साल का गूंगा जवान खत्म हो रहा था
पूछा जाना कि बेजुबान वृक्ष रो रहा था।
5000 रु० की सुपाड़ी दी गई थी। बेचारा रो रहा था।
चिर-चिर-चिर जमीन पर लाश बन गिर गया।
जमीन भी रो उठी जैसे माँ का लाडला चला गया
वृक्ष में तेरी तरह जान होती है।
तुम बोलते व्यक्ति तो केवल सांस लेते हो
वह गूगा सास लेता है तुम्हें देता है। तभी तो तुम सांस लेते हो
पेड़ लगाने की सोचे उखाड़ने काटने की नहीं
बहुत बददुआ मिलेगी फिर बाद मे पछताना की नहीं
बचाव-बचाव कहां से आवाज रोने की आयी।

-के.एन. कुमार, एडवोकेट (इलाहाबाद)

किदवई नगर कानपुर : स्थापना दिवस का आयोजन बाल संस्कार केन्द्र एवं शिक्षण संस्थान में किया गया। बाल संस्कार केन्द्र में अध्यापन का स्तर तथा संस्कार प्रदान योजनाओं का उल्लेख एल.एम.अग्रवाल ने किया। बैंक ऑफ बड़ौदा के उप महाप्रबन्धक श्री ए.के. सिन्हा ने स्कूली बच्चों के बैग वितरित किये तथाा शिक्षिकाओं को उपहार दिय। केन्द्रप्रभारी सुधा गुप्ता ने आभार किया।

बुन्देलखण्ड

उरई : स्थापना दिवस पर अंध विद्यालय में दिव्यांग बच्चों को फल, मिठाई, तेल साबुन, तौलियाँ आदि वितरित किये गये। विद्यालय को एक पंखा तथा मासिक चिकित्सकीय परीक्षण अजय इटौरिया तथा अजय महेतले के द्वारा प्रदान किया गया।

रुहेलखण्ड

अमरोहा मैत्री : शाखा द्वारी संगोष्ठी तथा वृक्षारोपण सम्पन्न किया गया। जज श्रीमती सुशीला सिंह द्वारा न्यायालय परिसर में पौधारोपण हुआ। सभी ने पीपल, कदम्ब, जामुन, आम, बेल के 150 पौधे लगाये।

बडे आदमी की विशेषता

पुरानी बात है। मुम्बई में एक सड़क पर एक वृद्ध महिला लकड़ी का गट्ठर सामने रखकी राह चलते लोगों से अपने सिर पर रखने की गुजारिश कर रही थी। उसकी मदद के लिए कोई नहीं आया। तभी एक कोट पैन्ट पहने युवक उस महिला के सामने खड़ा हो गया। वृद्ध महिला चाहते हुए भी कुछ कह न सकी। युवक ने रूक कर पूछा माँ! आप क्या कहना चाहती हैं। आत्मीय संबोधन सुनकर वृद्धा ने कहा कि मैं राह चलते लोगों से गट्ठर उठाकर सिर पर रखने की प्रार्थना कर रही हूँ। लेकिन कोई मदद नहीं कर रहा है। इतना सुनते ही उन सज्जन ने गट्ठर सिर पर रख दिया। वे सज्जन थे महादेव गोविन्द रानाडे- मुम्बई के मुख्य न्यायाधीश बड़े आदमी की पीठ पर लिखा हुआ नहीं होता। उसका स्वभाव और व्यवहार बोली और पहनावा से मालूम पड़ता है कि वह सदाचारी, सहज, निष्कपट व्यक्ति है।

– **जय किशन झंवर**, कोलकता

ब्रज प्रदेश

एटा : शाखा द्वारा कौमी एकता पर शायरों की एक गोष्ठी का आयोजन हुआ। श्री मुअज्जम अली, सुनील गुप्ता और शाखा सचिव पूनम अग्रवाल कौमी एकता और भाईचारे का संदेश दिया। गोष्ठी में शायर अजीज अहमद के शायरी को सराहा गया। शायर सलीम कुरैशी, समीउद्दीन, जी.एस.चौधरी, अजीज फारूकी, अन्जुमन हसन, शकील शहर ने अपना अन्दाजे वयां किया। शाखा द्वारा महाराणा प्रताप जयन्ती पर संस्कार भारती के संरक्षक प्रेमीराम मिश्र ने भागीदारी की। मेवाड़ पर डॉ. राजेन्द्र सिंह ने रचनाएँ प्रस्तुत की। जिलाधिकारी प्रांगण में प्रतिदिन 100 योग साधक योगाभ्यास करते हैं। कबीर जयन्ती पर दोहा पाठ हुआ। गंगा दशहरा पर चित्रकला, पतंग प्रतियोगिता हुई।

शिवम् अलीगढ़ : शाखा द्वारा निर्धन कन्याओं कुमारी करिश्मा और कुमारी गुंजन के विवाह हेतु आवश्यक पारिवारिक एवं गृहस्थी संबंधी सामग्री प्रदान की गई। अलीगढ़ की सभी शाखाओं का तीन दिवसीय योग शिविर सम्पन्न हुआ। श्रीमती रूचि शर्मा ने योगाभ्यास कराया। लगभग 200 सदस्य परिवारों ने योगाभ्यास किया। शिविर के सफल आयोजन में डॉ. इन्दू वार्ष्णेय, रजनी, रानी वार्ष्णेय तथा शैल गुप्ता का सहयोग रहा। डॉ. सूरज प्रकाश जयन्ती पर मेडिकल शिविर में 230 लोगों का रक्त समूह , डायविटीज तथा रक्तचाप का निरीक्षण किया गया। जांच कार्य डॉ. मनोज वार्ष्णेय ने निःशुल्क सम्पन्न किया। शाखा द्वारा शरबत का प्याऊ लगाया गया। भगवान जगन्नाथ को भोग लगाया गया। साथी वृक्षारोपण भी किया गया।

रिश्ते अपना नया अर्थ खोज चुके हैं।

सुरेश के पिता जी बीमार पड़ गये थे। आनन फानन में अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल पहुँचते ही सुरेश ने पिता की एक फोटो बेड पर खीची। Father ill admitted to Hospital लिखकर फेसबुक पर डाल दीं। यारो ने भी लाइक मार मार कर ड्यूटी पूरी की। सुरेश अपने पिता जी की हालत अपडेट करता रहा। पिता अपने बेटे से बात करने को तरसते रहे। पिता जी की हालत आज कुछ ज्यादा खराब है। पुराना वक्त होता तो लड़का भागकर डॉक्टर को, नर्स को बुलाता। पर उसने बदहवास पिता की एक दो फोटो निकाली। Condition crucial लिख कर अपलोड कर दी। यारों ने भी अपनी जिम्मेदारी निभाई। कुछ मार्मिक कमेंट लिखे, कुछ ने सान्त्वना दी। तभी नर्स आई। आप ने पेशेन्ट को दवाई दी। दवाई? नर्स ने घंटी बजाई। इमरजेंसी में ले जा रहे हैं। थोड़ी देर बाद बेटे ने लिखा पिता जी चल बसे। नो फोटो। ICU में फोटो खीचना मना है। कमेंटस आये। ओह आखिरी वक्त में फोटो भी नहीं खिच पाये। अस्पताल को अंतिम यादगार फोटो खीचने देना चाहिए था। RIP RIP अंतिम विदाई की फोटो जरूर डालना। वह खुश था। इतने लाइक और कमेंटस पहले कभी नहीं आये थे। बेटा कितना कर्तव्यनिष्ठ था। पिता के जाने के समय भी सबको लिख रहा था थैंक्स टु ऑल।

अलीगढ़ मयूरी : शाखा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर जेल रो पर पेड़ लगाये गये। इस अवसर पर पर्यावरण प्रदर्शनी लगाई गई। रीना, दीप्ति, भारती, चित्रा, रजनी, शिवानी, नीतू, रोमा का विशेष सहयोग रहा। गंगा दशहरा पर फल तथा शर्बत का वितरण जेल रोड पर किया गया। इसमें रंजना, नमन, शिवानी, रीमा, भूमि, पूनम, कल्पना ता विशेष सहयोग रहा। योग दिवस पर योग गुरु रूचि शर्मा ने योगाभ्यास कराया। डॉ. सूरज प्रकाश जयन्ती पर अंचल ताल पर निर्मित शौचालय पर 1000 लीटर की टंकी स्थापित की गई।

काशी प्रदेश

आजमगढ़ : शाखा द्वारा योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास किया गया। डॉ. माधुरी गुप्ता, डॉ. अशोक श्रीवास्तव ने योग के लाभ पर प्रकाश डाला। डॉ. सूरज प्रकाश जयन्ती के अवसर पर डॉ. जे.आर.विश्वकर्मा ने डॉक्टर साहब के जीवन पर प्रसंग सुनाए।

स्वर्णिम वाराणसी : शाखा द्वारा अस्सी धाट से मणिकर्णिका घट तक स्वच्छता रैली का आयोजन सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष अतुल मेहरा के साथ टीम के 45 सदस्यों ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

बच्चों को करने दे अपने-अपने सपने पूरे

एक शेर इतना शक्तिशाली होने के बावजूद इसलिए निराश था कि उसका बच्चा बाज के बच्चे की तरह उड़ नहीं सकता। हाथी इसलिए दुखी है कि उसका बच्चा मोर की तरह सुन्दर नृत्य नहीं कर सकता। और जब माता पिता अपनी निराशा का कारण अपने बच्चों से साँझा करते हैं तो बच्चे भी अपने आप को कसूरवार समझने लगते हैं। जिसके कारण वो अपने गुणों, क्षमताओं को बढ़ाने की बजाए अपनी कमियों पर ध्यान केन्द्रित कर लेते हैं और हीन भावना से ग्रसित हो जाते हैं, उनमें यही भावना घर कर जाती है कि हममें तो बस कमी ही है। माता पिता भी अपने बच्चों पर अनावाश्यक बोझ डालते हैं। डॉक्टर चाहता है कि उसका बेटा डॉक्टर बने, इंजीनियर चाहता है कि उसका बेटा इंजीनियर बने, पर क्या यह जरूरी है कि जो हम चाहते हैं हमारे बच्चों का भी वही सपना हो। जब हम अपने सपने पूरे नही कर पाते तो अपने बच्चों से यह अपेक्षा करने लगते है कि वो हमारे अधूरे सपनो को पूरा करेंगे। क्या हम अपने बच्चों पर ये अनावश्यक भार नहीं डाल रहे। क्या कभी हमने ये सोचा है कि हमारे बच्चे क्या चाहते हैं? उनके क्या सपने हैं? बेहतर होगा कि हम अपने बच्चों के सपने पूरे करने में उनके सहायक बने और उन्हें अपनी उड़ान भरने दें। वो तभी ऊँची उड़ान भर पाएंगे। इस उन्मुक्त गगन में जब वो स्वच्छंद रूप से, पूरी निष्ठा और साहस से आगे बढ़ेंगे।

– **गुंजन गोयल**, हिसार

पंजाब दक्षिण

अबोहर : शाखा में राष्ट्रीय मंत्री श्रीनिवास बिहानी ने सदस्यों को परिषद् के उद्देश्यों से परिचित कराया तथा स्थापना दिवस पर सक्रिय भूमिका में काम करने का आग्रह किया।

मलौट : शाखा द्वारा निर्धन असहाय बच्चों की शिक्षा का प्रबन्ध करने के लिए परिषद् ने स्कूल प्रारम्भ किया है। इस स्कूल

में नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी तथा भवन के साथ सड़क निर्माण भी सम्पन्न होगा।

पंजाब पूर्व

चण्डीगढ़ पश्चिम-2 : 12 जुलाई को शाखा द्वारा 120 तुलसी पौधो वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजय दत्ता, श्री डी.डी.गुप्ता, चण्डीगढ़ महानगर सचिव के साथ शाखा के वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया

नाभा : शाखा द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई का संदेश दिया गया। अध्यक्ष सुभाष बंसल के निर्देशन में सफाई तथा 30 कचरा पात्र रखे गये। सभी से कचरा पात्र में कूड़ा डालने का निवेदन किया गया। नगर में परिषद् के आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा हुई। स्वराज अटोमोबाइल ने अभियान में सहयोग किया।

मृत्यु भोज

हमारे समाज में कई प्रकार की कुप्रथाएँ फैली हुई है जिनमें से मृत्यु भोज भी सबसे बड़ी कुप्रथा है। जिस परिवार पर विपदा आई हो उसके साथ इस संकट की घड़ी में खड़े हों, मदद करें। लेकिन मृत्यु भोज का बहिष्कार करें। श्री कृष्ण ने जब दुर्योधन से युद्ध न करने का आग्रह किया, तो दुर्योधन द्वारा आग्रह ठुकराए जाने पर श्री कृष्ण को बड़ा कष्ट हुआ और वे चल पड़े, तो दुर्योधन द्वारा श्री कृष्ण से भोजन के आग्रह पर श्रीकृष्ण ने कहा कि 'सम्प्रीति भोज्यानि आपदा भोज्यानि ना पुनै:' हे दुर्योधन जब खिलाने वाले का मन प्रसन्न हो, खाने वाले का मन प्रसन्न हो, तभी भोजन करना चाहिए। अपने धर्म ग्रंथों में गर्भाधान से अन्त्येष्टि तक (16 संस्कारों) का ही वर्णन मिलता है। 17वां संस्कार (तेरहवी संस्कार) बनाया ही नहीं गया। महाभारत के अनुशासन पर्व में लिखा है कि मृत्यु भोज खाने से ऊर्जा नष्ट होती है।

इसलिए स्वामी विवेकानन्द, पं. श्री राम शर्मा, दयानन्द जैसे मनीषियों ने इसका जोरदार खण्डन किया है। जिस भोजन की प्रक्रिया जैसे लकड़ी फाड़ी जाती हो रोकर, आटा गूंथा जाता हो रोकर एवं पूड़ी बनाई जाती हो रोकर यानी हर कृत्य आंसूओं से भीगा हो ऐसे भोजन का बहिष्कार करना चाहिए। संकल्प करें कि मृत्यु भोज का समर्थन नहीं करेंगे।

-गोपाल सिंह जोधा/सूर्य प्रताप सिंह

पटियाला भगत सिंह : शाखा द्वारा वनमहोत्सव के अन्तर्गत 40 पौधे लगाये गये। डॉ. जोशी ने स्वच्छता के बारे में तथा आर.के.शर्मा ने परिषद् के बारे में बताया।

नंगल : शाखा द्वारा अध्यक्ष नीलम कपिला जी के दायित्वग्रहण तथा डॉ. सूरज प्रकाश जयन्ती का आयोजन किया गया। श्री अमरनाथ शर्मा ने डॉ. सूरज प्रकाश जी के जीवन के प्रेरक प्रसंग सुनाए। स्थापना दिवस पर परिषद् के उद्देश्यों तथा आदर्शों की चर्चा सुरेश शास्त्री ने की। 4 जुलाई को स्वामी विवेकानन्द की पुन्य तिथि मनाई गई।

पंजाब उत्तर

छतवाल : शाखा द्वारा तालाब बचाओ अभियान के तहत श्रमदान किया गया। पर्यावरण दिवस पर पेंटिग प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। विद्यार्थियों को पुरस्कार दिये गये। के.के. महाजन, डॉ. मनु शर्मा उपस्थित रहे। पौधा रोपण किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राम प्रसाद विस्मिल पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। उर्दू साहित्यकार जनाव राजेन्द्र नाथ मौजूद रहे। शाखा द्वारा लक्ष्मी बाई के बलिदान को याद किया गया। डी.सी. पठानकोट को तालाब की उपयोगी बनाने की योजना के लिए ज्ञापन दिया गया। गीता मनीषी ज्ञानानन्द जी ने तालाब संरक्षण के अवसर पर आशीर्वाद दिया। तालाब संरक्षण हमारी आस्था का प्रमाण है।

योग

आओ मिलकर सीखे योग, आओ मिलकर कर लें योग।
स्वस्थ निरोगी हो कर यो, सदा प्रफुल्लित हो सब लोग।
तन मन स्वस्थ बनाए योग, इच्छा शक्ति बढ़ाए योग।
दिव्य शरीर बनाता योग, दिव्य शक्तियाँ देता योग।
चिन्ता तनाव का शत्रु योग, सदा सकारात्मक है योग।
शक्ति प्रेम का वाहक योग, सदा आनन्दित रखता योग।
त्रिविध ताप से हमें मुक्त कर ईश्वर प्राप्त करता योग।

-रामकुमार शुक्ला, कानपुर

हाजीपुर : शाखा द्वारा स्थापना दिवस का आयोजन वीरेन्द्र मोहन दास की अध्यक्षता में मनाया गया। आचार्य युवराज वासु ने वैदिक रूद्र में 2100 आहुतियाँ दी। इस अवसर पर शाखा द्वारा 21 विकास मित्र की घोषणा की गई। नगर में धार्मिक तथा सामाजिक सेवाभावी महिलाओ शोभा शर्मा, सुशील जैन, सुषमा, राजकुमारी, संतोष कुमारी, अनु, सुशीला, कुन्ती को सम्मानित किया गया।

अर्वन स्टेट जालंधर : शाखा द्वारा के.एल.आर्य गर्ल्स कॉलेज में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन मनाया गया। श्री जी.डी. कुन्द्र ने गुरु शिष्य के संबन्धों के बारे में प्रकाश डाला। 26 छात्रों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। निध्रन छात्रों को स्कूल ड्रेस का भी वितरण किया गया। इसमें दीपक सहगल, रमेश बतरा, सुभाष जोशी ने सहयोग किया।

हरियाणा पश्चिम

डबवाली : स्थापना दिवस पर शाखा ने 51 गरीब एवं

निर्धन परिवार की लड़कियों की शिक्षा कराने का संकल्प लिया। श्रीकृष्ण कॉलेज ऑफ एजुकेशन में विधायक नैना चौटाला मुख्य अतिथि रही। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ के अन्तर्गत परिषद् ने 51 लड़कियों को शिक्षा देने का जो बीड़ा उठाया है वह प्रशंसनीय है। अध्यक्ष कालूराम मेहता ने बेटियों के सहयोग के लिए स्वयं को गौरवशाली माना। सभी लड़कियों को पुस्तकें, यूनिफर्म, बूट, मोजे तथा बैग प्रदान किये गये। एन.पी स्कूल की बेटियों तथा मुस्कान भादू ने विचार रखे। पेड़ बचाओ जीवन बचाओ पर आकर्षक कोरियोग्राफी ''हाँ मैं पेड़ हूँ'' को लोगों ने सराहा। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष टेक चन्द्र छावड़ा, विपिन अरोड़ा ने भी विचार रखे।

जीवन में स्नेह चाहिए

विनोबा जी किसी जगह गये थे। उनके स्वागत में मंच पर एक दिया जला कर रखा गया था। हवा चल रही थी। आयोजक बाती की लौ को टिकाये रखने की खूब कोशिश कर रहे थे। आस पास खड़े रह कर अपनी हथेलियों की आड़ से दीये को जलाये रखने की कोशिश में लगे रहे। सब का ध्यान उसी तरफ। अंधेरा जो भगाना था। पर दीया टिक नहीं पाया। वह बुझ ही गया।

विनोबा जी ने अपनी बातचीत इसी से शुरु की थी। उन्होंने कहा कि आस पास की हवा जब शान्त हो तभी दिया जलता है। अगर हवा प्रतिकूल रही, हवा जोरो से बहती रहे तो दीपक टिकता नहीं। फिर वह हवा से दीपक पर आए। उन्होंने कहा कि हवा शान्त हो पर यदि दीपक में तेल कम पड़ा है तो भी वह टिक नहीं पाता। फिर विनोबा जी दीपक से मनुष्य पर आते है। तेल यानि चिकनाई। स्नेह भी इसी अर्थ में बना शब्द है। वह आगे कहते है कि जैसे दीपक में तेल की, स्नेह की जरूरत है, वैसे ही मनुष्य में भी हम सब के भीतर भी स्नेह की जरूरत है। दीपक जलते रहने के लिए बाहर की हवा भी शान्त होनी चाहिए और तेल भी होना चाहिए। उसी तरह समाज की रचना भी शान्तिमय होनी चाहिए और हम सब में भी स्नेह की मात्रा भरपूर होनी चाहिए तब जलता रह पाता है हमारा यह दिया। जीवन का दिया भी। –**यशपाल मदान**, पंचकूला।

फतेहाबाद : शाखा द्वारा नगर प्रधान श्री दर्शन नागपाल का स्वागत करते हुए उनसे नगर में सफाई तथा सड़क के डिवाइडर पर पौधे तथा गमले लगाने का आग्रह किया गया। नव निर्वाचित प्रधान ने सभी कार्यो में सहयोग का आश्वासन दिया।

गायत्री बरवाला : शाखा द्वारा योग शिविर का आयोजन हुआ। 21 दिना के शिविर को आईटीआई बरवाला में आयोजित किया गया। योग शिक्षक श्री कृष्ण चौहान ने योग कराया। मुख्य अतिथि रामकेश बंसल तथा सुदेश शर्मा रहे। बी.पी. तथा शुगर जांच शिविर में शुगर की नि:शुल्क जांच की गई। तीन दिनों के योगाभ्यास में शुगर नियंत्रण के प्रभाव की जांच की गई। तुलसी वितरण कार्यक्रम में 41 तुलसी पौधे बांटे गये। कार्यक्रम में शिविर कुमार, सुशील गोयल तथा सदस्य उपस्थित रहे। एकादशी पर मीठे पानी की छबील लगाई गई। तीन दिवसीय बाल संस्कार शिविर में नगर की 5 छात्राओं प्रीति, दिया, चश्रु, साहिल, दीपक ने भाग लिया।

संस्कार

डॉक्टर अपनी क्लिनिक पर बैठे मरीजों को देख रहे थे। एक युवक गोद में बूढ़ी माँ को लेकर डॉक्टर के पास आया। वह बिलखने लगा, बोला डॉक्टर साहब यह मेरी माँ है गिर गई है, बहुत चोट लगी है, देख लीजिए बड़ा उपकार होगा। मैं अभी मरीज देख रहा हूँ डॉक्टर बोला। डॉक्टर साहब मेरी माँ को बहुत चोट लगी है। कातर स्वर में युवक बोला। तुम्हें मेरी फीस पता है। मुझे आपकी फीस नहीं पता। मैं रिक्शा चलाता हूँ। अभी तो मेरे पास 10 रुपये है। आप ले जीजिए। मैं आपकी फीस आगे चुका दूँगा। लेकिन आप मेरी माँ को देख लीजिए उन्हें बहुत दर्द हो रहा है। डॉक्टर जिस महिला को देख रहे थे, उससे इजाजत लेकर बूढ़ी महिला को देखने लगे। हड्डी टूटी थी। उपचार किया। पीछे लेटी हुई महिला सिसक सिसक कर रो रही थी। क्या आपको तकलीफ हो रही है? नहीं डॉक्टर साहब उस रिक्शे वाले को देखकर मेरी आँखें भर आई। उससे माँ का दर्द नहीं सहा जा रहा था। डॉक्ट साहब मेरे तीन बेटे हैं। दो बेटियाँ हैं। पोते पोतियाँ हैं। बहुएँ हैं। लेकिन आज मुझे आपके पास अकेले आना पड़ा। मैं तीन दिन से अपनी तकलीफ सबको बता ही थी। मेरा दर्द किसी को नहीं दिख रहा था। दरअसल समय ही नही है उनके पास। मैंने अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाया। सब कमाते हैं। पैसे की कोई कमी नही है। लेकिन मेरा दर्द कोई नहीं समझता। मुझसे कहाँ चूक हो गई। रिक्शे वाले को देखकर आज लगा कि हम बच्चों को शिक्षा देते हैं, पालते हैं, लेकिन संस्कार नहीं दे पाते। यही देखकर मैं रो पड़ी। – **रितू भाटिया**, महासचिव, दिल्ली पूर्व

चरखी दादरी : रेलवे स्टेशन चरखी दादरी पर पौधा रोपण में वन विभाग के रेज ऑफीसर विलय पाल राठी मौजूद रहे। श्री राठी ने वृक्षों की उपयोगिता एवं जीवन तत्व आजीवन की उपलब्धता पर प्रकाश डाला। श्री जीतराम गुप्ता ने परिषद् स्थापना में लाला हंसराज एवं डॉ. सूरज प्रकाश के योगदान की चर्चा की। स्टेशन मास्टर हजारीलाल मीणा वाणिज्य अधिकारी कांता देवी ने भी वृक्षारोपण किया।

नारनौल : आनन्द उत्सव के आयोजन पर पुलिस अधीक्षक

हामिद अख्तर ने कहा कि पुरुषों को सोचना होगा कि अगर लड़कियों को मारते रहे तो समाज कैसे चलेगा। जहाँ औरतें कम होती है वहाँ अपराध बढ़ते हैं। एस.पी. नारनौल ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या के लिए दहेज ही जिम्मेदार है। जिला शिक्षा अधिकारी ने परिषद् की प्रशंसा की और इसका काम को बेहद नेक और समाज हित का काम बताया। वृक्षारोपण भी सम्पन्न हुआ। हितेन्द्र बोहरा, संजय शर्मा तथा सदस्य उपस्थित रहे। सरकारी अस्पताल में मरीजों को फल, दूध, बिस्किट वितरण किया गया। डॉ. विकास, रजनी मयाना, रवीना सोनी ने मरीजों को जलपान कराया। सचिव संजय शर्मा ने परिषद् के सेवा कार्यों की जानकारी दी।

इस्माइलाबाद : आर्य समाज मंदिर में परिषद् का स्थापना दिवस सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष मोहन लाल गुप्ता यज्ञ में यजमान बने। शाखा ने आम जनता के लिए समाचार पत्र उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बृज मोहन सिंगला ने व्यवस्था संभाली।

डॉ. जयन्तीभाई माडेसिया-क्षेत्रीय संघचालक, गुजरात

पर्यावरण दिवस के अवसर पर देश में आसन्न समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग, ग्लोबल रिसेशन, ग्लोबल टेररिज्म देश की प्रमुख समस्याएँ हैं। भारतीय जीवन दर्शन में गाय को रोटी, पक्षियों को दाना और नदियों, पहाड़ों की पूजा का महत्व माना गया है। आज वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी विज्ञान के माध्यम से प्रकृति का शोषण तथा पर्यावरण का रौद्ररूप हमारी बड़ी समस्या है। यदि नदी पर्वत, वन, पशु-पक्षी, मनुष्य की प्रकृति के समतुल्य न रहे तो पृथ्वी सम्मेलन, पृथ्वी बचाओ जैसे कार्य निरूपयोगी होंगे। वैश्विक मंदी के सामने लड़ने के लिए विलासिता की प्रवृति छोड़कर मर्यादित जीवन शैली आवश्यक है। हिन्दू परिवार भाव इसका उपाय है। मैं और मेरा सम्प्रदाय ही सत्य है। यह संकुचित मानसिकता आज के वैश्विक आतंकवाद का मूल आधार है। अत: सबके कल्याण के लिए तथा सबकी उन्नति के लिए भारतीय मॉडल ही उपयोगी हो सकता है। इसी से जेहादी मानसिकता को नियंत्रित किया जा सकता है। सामाजिक समरसता आज की बड़ी आवश्यकता है। डॉ. अम्बेडकर की 125वीं जयन्ती पर उनका सामाजिक समरसता का संदेश आज की महती आवश्यकता है। अपने गौरवशाली इतिहास का स्मरण कराकर हमें समाज को स्वावलम्बी बनाने की आवश्यकता है।

हरियाणा उत्तर

सूरज पंचकूला : प्रान्तीय बाल शिविर करनाल में शिल्पी, अनन्यातक, लहक चावला ने भाग लिया। निर्जला एकादशी पर मीठ पानी की छबील लगाई गई। मासिक भजन संध्या में सुन्दरकाण्ड पाठ हुआ। आरोग्य भारती द्वारा मधुमेह युक्त भारत पर योग शिविर लगाया गया। 45 लोगों ने भाग लिया।

पंचकूला : शाखा द्वारा पर्यावरण गोष्ठी में प्रो. रमेश डोगरा ने प्रकृति की रक्षा ही जीवन है इस विषय पर प्रबोधन किया। न्यू इण्डिया पब्लिकेशन स्कूल के निदेशक कुसुम कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि रहे। महाराणा प्रताप गुरु अर्जुन देव तथा ऊधम सिंह की जयन्ती के अवसर पर लधु नाटिका का मंचन हुआ। बालिका विकास केन्द्र में 35 बालिकाओं का शिविर लगाया गया।

वृक्ष हमारे मित्र हैं। हमें प्राण वायु देते हैं। वृक्षारोपण में जनभागीदारी तुलसी जैसे पौधों को गमले में लगाकर की जा सकती है। तुलसी की महिमा अपार है। वे घर का वैद्य है। ण्क समय था जब तुलसी घर के आंगन की शोभा थीं आंगन में तुलसी पौधा लगाया जाता था। प्रतिदिन सबेरे धूपदीप, अक्षत, चन्दन से पूजा, परिक्रमा होती थी। जल का अर्घ दिया जाता था। परिक्रमा से तुलसी हमें ऑक्सीजन की प्राण वायु देती थी। आज भी कार्तिक पूर्णिमा को तुलसी और शालिग्राम का विवाह धूमधाम से मनाया जाता है।

तुलसी के 5 पत्र खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसमें 27 खनिज पाये जाते हैं। अनेक आयुर्वेदिक तथा होम्योपैथिक औषधियाँ बनती है। मृत्यु के समय मुख में तुलसी पत्र और गंगा जल डालने की प्रथा आज भी प्रचलित हैं तुलसी का पौधा लगाए।

-**श्री नारायण चौधरी**, जसवन्त नगर, इटावा

विवेक अम्बाला छावनी : शाखा द्वारा योग दिवस पर तरसेम राणा जी ने योग क्रियाएँ कराई। परिवार के 30 सदस्यों का भ्रमण कार्यक्रम चण्डीगढ़ अस्पताल, मनसा देवी सिद्ध साकेतड़ी मंदिर, मोरनी हिल्स, नौका विहार, रात्रि भोज कर वापस लौटां संयोजक जितेन्द्र गम्भीर जी को बधाई।

कर्ण करनाल : एक शाम भारतीय सेना के नाम कार्यक्रम के द्वारा भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की गई। पूर्व सैनिक श्री लखीराम ने कार्यक्रम के लिए परिषद् की तारीफ की। आर.एस.शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान बुरहान वानी की मौत पर काला दिवस मना रहा है। हम अपनी सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए मोमबत्ती जलाकर सेना की हौसला अफजाई कर रहे हैं। स्थानीय एम.डी. बाल भवन अनाथाश्रम में अनाथ लड़कियों के स्वास्थ्य तथा त्वचा रोग के रखरखाव पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रीमती निशा तथा संगीता चौधरी ने स्वास्थ्य तथा सौन्दर्य के टिप्स दिये। रेखा खोखर ने लड़कियों को येहर बैण्ड, फेसवाश, क्लिप, और खाद्य सामग्री बांटी गई। इस अवसर पर अनामिका, मनीषा, पूनम, रेनू, विधि, ललिता, जानहवी, सीमा, निशा, शायना,

किरण , दीक्षा, इन्दू, कंचन आदि ने व्यवस्था संभाली।

हरियाणा दक्षिण

फरीदाबाद : स्वच्छता अभियान में सफाई की गई तथा कूड़ेदान रखे गये। सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। सेक्टर 7ए के पार्क में संतोष गर्ग तथा उषा टिबड़ीवाल ने वृक्षारोपण किया। प्रदीप पाण्डया ने रक्तदान, नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, प्याऊ आदि प्रकल्पों की जानकारी दी।

मानसरोवर रोहतक : शाखा द्वारा वृक्षारोपण किया गया ता जल संरक्षण पर गोष्ठी में जल की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। फ्लैस बोर्ड प्याऊ, मंदिरों तथा पार्कों में लगाये गये।

बहादुरगढ़ : शाखा द्वारा श्मशान भूमि परिसर में शिक्षाधिकारी श्री मदन चोपड़ा के सानिध्य में पौधारोपण किया गयां इसमें अर्जुन गुलाबीतुन, पापड़ी, गुलमोहर, पीपल, मोनी, नीम, केसिया के 40 पौधे लगाये गये। पत्रकार सतीश तहलान ने वृक्षों को बचाने की शपथ दिलाई पार्षद प्रवीण राठी, राजेश तवंर आदि ने पेड़ लगाये।

झज्जर : एम.सी पार्क में पार्षद घनश्याम गुर्जर ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर विजेन्द्र कृष्ण दुलीचन्द, प्रदीप आदि ने स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया।

दिल्ली उत्तर

श्री गणेश-शालीमार बाग : शाखा द्वारा सामयिक यज्ञ का आयोजन किया गया। यजमान राधे श्याम अग्रवाल रहे। इस अवसर पर श्री सुभाष गुप्ता ने शाखा को वृक्षारोपण, रक्तदान, सदस्यता वृद्धि, चिकित्सा शिविर लगाने की अपील की।

प्रशान्त विहार : शाखा स्थापना दिवस एवं परिवार मिलन का आयोजन हुआ। सांस्कृति कार्यक्रम,भारत को जानो, तम्बोला का सदस्यों ने आनन्द लिया। 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विजेन्द्र गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष, दिल्ली विधान सभा, ताराचन्द उपमहापौर, भूपेन्द्र मोहन भण्डारी, पार्षद उपस्थित रहे।

दिल्ली मध्य

किशनगंज : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर कवि सम्मेलन का आयोजन पार्षद श्री भूपेन्द्र मोहन भंडारी तथा संरक्षक महेश चन्द्र शर्मा के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय विचारों से ओतप्रोत कवि श्री गजेन्द्र सोलंकी, आचार्य अनमोल, जगदीश भारद्वाज, उर्मिला माधव, सरोज शर्मा, प्रियंका राय, वी.एस. भारद्वाज ने ओजस्वी कविताओं का पाठ किया। स्थानीय जगजीवन राम अस्पताल में मरीजों को मिठाई, नमकीन, फल का वितरण अध्यक्ष मनोज विजयवर्गीय तथा नरेन्द्र कुमार सचिव द्वारा 150 मरीजों को वितरित किये गये।

गुजरावाल टाउन : शाखा द्वारा स्थापना दिवस आर्य समाज मंदिर डेरावल नगर में सम्पन्न हुआ। अतिथि राष्ट्रीय संयोजक विवेक गर्ग थे। चेल्सी के कत्थक नृत्य द्वारा शिव स्तुति माधव के देशभक्ति और भजन से सदस्यों का उत्साह बढ़ा। 11 वर्षीय नेत्रहीन बालक ने अनूप जलोटा के भजन सुनायां स्लम और क्लस्टर वस्तियों से आये बच्चों ने नृत्य तथा गीत प्रस्तुत किये। परिषद् ने श्रीमती राखी गिरवानी (गरीब बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा) राजकुमार भाटिया (रोटरी ब्लडबैंक संचालन) रवि कालरा (लावारिस लाशों का संस्कार करने वाले) लोगों को सम्मानित किया। 5 मेधावी छात्रों, खेल में स्वर्ण पदक प्राप्त तथा टी.वी. पर प्रतिभा दिखाने वाले छात्रों को सम्मानित किया।

कमला नगर : शाखा द्वारा गीता भवन में परिषद् परिवार के 28 मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया। अध्यक्ष सत्य नारायण गोयल के साथ पदाधिकारियों ने स्थापना दिवस, गुरु वन्दन आदि की जानकारी दी। श्रीमती संगीता गोयल, रश्मि अग्रवाल, कविता अग्रवाल के सानिध्य में सभी पदाधिकारियों ने छात्रों को शुभकामना दी।

महाराष्ट्र कोंकन

मुम्बई सेन्ट्रल : शाखा द्वारा तुलसी पौधा रोपण का वितरण किया गया। श्रीमती युगान्धर सालेकर ने विट्ठल मंदिर गोलरवेल में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष योगी लाल मेहता के साथ कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

गुजरात मध्य

इसानपुर : शाखा द्वारा तीन मंदिरों से 300 तुलसी पौधों का वितरण किये गये। धौलेश्वर महादेव में 22 पौधे ट्री गार्ड के साथ लगाये गये। 700 विद्यार्थियों ने भारत को जानो की लिखित परीक्षा दी।

पश्चिम बंगाल

प्रान्त द्वारा स्थापना दिवस पर तनवा और इल्सोवा ग्राम के मेधावी छात्रों को स्टेशनरी प्रदान की गई। मंदबुद्धि बच्चों को 12 रेनकोट वितरित किये गये। उटामनन्द मंत्री आश्रम में 15000/- का राशन तथा खाद्य सामग्री दी गई। कामाख्या बालक आश्रम में 20000/- के खाद्य सामग्री दी गई। 6 शाखाओं ने भाग लिया।

आन्ध्र प्रदेश

त्यागराया राजामुंडरी : शाखा द्वारा नोट बुक, पेंसिल, पेन का वितरण कथेरू गाँव के सरकारी स्कूल में सम्पन्न किया गया।

सिविल जज आर. किशोर बाबू ने वृक्षारोपण किया। शाखा अध्यक्ष ए. रामलिगेश्वर ने व्यवस्था संभाली।

मध्य भारत उत्तर

कुंभराज : शाखा ने पर्यावरण जन चेतना रैली का आयोजन करके कपड़े के थैले बांटे। प्लास्टिक के उपयोग को रोकने, कचरा अपशिष्ट का निष्पादन करने, ईट भट्टों के प्रदूषण, गट्टर के पानी को कृषि उपयोग, नशा मुक्ति के बारे में जागरूकता के बारे में तहसीलदार तथा नगरपालिका को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की। रैली में आशीष कुमार आलोक कुमार नरसिंह लाल, रामधन तथा विनायक कन्वेन्ट की वैन से 1000 कपड़े के थैले बांटे गये। शाखा द्वारा योग दिवस पर श्री श्री रविशंकर जी महाराज की शिष्या नकिता कौशिक के सानिध्य में योग सम्पन्न हुआ। चाचौड़ा के उपजिलाधिकारी भूपेन्द्र सिंह परस्ते के आह्वान पर आयोजित रक्तदान शिविर में 128 यूनिट रक्तदान किया गया।

धामबोद : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर महिला सहभागिता और नेतृत्व शीलता पर गोष्ठी आयोजित की गई। विजय नामदेव ने संचालन किया। सहभोज में 56 व्यंजनों का भोग लगा।

वीर तात्यापोटे शिविपुरी, ग्वालियर : शाखा द्वारा पर्यावरण दिवस पर कपडे का थैल सब्जी मंडी तथा बाजार में वितरण की गई तथा पोलिथिन का उपयोग न करने का आह्वान किया गया। वृक्षारोपण के महत्व पर गोष्ठी में सभी उपस्थित सदस्यों ने वर्ष में एक वृक्ष लगाने तथा पोषण करने का संकल्प लिया। पर्यावरण संरक्षक के लिए जन चेतना रैली निकाली गई। रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हवाई पट्टी पर किया गया। संयोजिक नीरज जैन ने इस प्रतियोगिता की महत्ता बताई। बालक जूनियर में संक्षम पाण्डे, इशू, विराट ने बाजी मारी। बालिका जूनियर में एनी, स्नेति तथा छाया ने विजय प्राप्त की। बालक सीनियर में राज, किशन, देवांश आगे रहे। हायपर रोलिंग में बालक जूनियर कपिल, नैतिक, आरती जीते। सीनियर बालक में विशेष देवराज, कृष्ण जीते। योग दिवस उत्साह से मनाया गया। रेडक्रास ने परिषद् की शाखा के रक्तदान सहयोग के लिए सम्मानित किया। शाखा ने मानवता संस्था की अपील पर 5 स्टील पाइप को अर्थियाँ भेट कीं बांस की कमी के कारण संस्था ने स्टील पाइप की अर्थियों की प्रचलन की अपील की थी।

मध्य भारत पश्चिम

उज्जैन : शाखा द्वारा स्थापना दिवस पर पौधारोपण, प्रतिभा सम्मान, नये सदस्यों की शपथ तथा खेल सम्पन्न हुए। राजीव बैराठी ने व्यवस्था संभाली।

डबरा : शाखा द्वारा 3000 लीटर ठंडा पानी प्रदान करने के लिए रैन बसेरा के निकट चिलर प्लान्ट स्थापित किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष सत्य प्रकाशी परसेडिया ने लोकापर्ण किया तथा रैन बसेरा परिषद् में पौधा रोपण किया।

विन्ध्य

बुरहर : शाखा द्वारा रक्तदान शिविर में 63 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। कटनी में छायादार, फलदार वृक्षारोपण किया गयां अनुपुर शाखा में कन्या छात्रवास में वृक्षारोपण किया गया। शहडोल में वृद्धाश्रम संचालन तथा स्थापना दिवस आयोजित था। स्वदेश गुप्ता (सदस्य) के आकस्मिक निधन से कार्यक्रम स्थगित हो गया।

कटनी : नगर के स्कूल में पर्यावरण जागरूकता अभियान का प्रारम्भ कर नगर में बैनर लगाये गये। अप्सरा आश्रम गृह में बच्चों के फल वितरण, चिकित्सा बीमा, महिलाओं द्वारा भजन संध्या, चित्रकला प्रतियोगिता, तुलसी पोधा वितरण किया गया। संयोजिका गीता लहरिया के साथ अनु, महिमा, रेश्मा, रंजना, नीतू, रिंकी, सुनीता, सीमा, शिल्पी, राखी, मधू, संजुलता, रेखा, गौरी, माया बजाज ने व्यवस्था संभाली।

महाकौशल

जबलपुर : शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन के अन्तर्गत महर्षि दयानन्द विद्यालय में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसमें 11 शिक्षक तथा 15 छात्राओं का परिषद् की ओर से सम्मानित किया गयां अध्यक्ष इं. राम कृष्ण चौकसे, सचिव नितिन पालीवाल सहित सदस्यगण उपस्थित रहे।

मध्य भारत पश्चिम

देवास : शाखा द्वारा पर्यावरण जागरूकता के लिए चित्रकला तथा पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई। परिषद् अध्यक्ष बृषाली आप्टे ने बताया कि रोहन और सर्वेश विजय रहे। वरिष्ठ वर्ग में सलोनी ओर रिया ने बाजी मारी। निर्णाायक सतीश, सुनील और आनन्द रहे। ए.बी.रोड के औद्योगिक क्षेत्र में पोधारोपण किया गया। बालागढ़, पालनगर में ऊर्जा बचत के लिए एल.ई.डी. वितरण किये गये। स्लोगन आने पाली पीढ़ी प्यारी, पेड़ लगाना हमारी जिम्मेदारी को बहुत सराहा गया।

हिमाचल प्रदेश पूर्व

सोलन : श्री हेमराज गोयल की अध्यक्षता में गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम किया गया। 100 छात्राओं ने भाग लिया। गुरु जनों पर पुष्प वर्षा कर सम्मान किया और आशीर्वाद लिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री एस.के.वधवा ने बच्चों को सफलता के सूत्र दिये तथा गुरुओं के महत्व पर प्रकाश डालां डॉ. सत्यब्रत भारद्वाज

ने स्वच्छता अभियान का महत्व बताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। श्री रधुनन्दन कुमार, सुशील भारद्वाज तथा आशा ने व्यवस्था संभाली।

जम्मू कश्मीर

गांधी नगर : शाखा द्वारा वन विहार कार्यक्रम में बाला बुद्ध अमरनाथ तथा गुरुद्वारा नामली के भ्रमण के बाद नूरी छम्ब, दुधवा जलप्रपात का भ्रमण किया गया। 7000 फीट ऊँचे प्रपात की मनोरम हरियाली में परिवारों ने गेम तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम किये। 75 सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष विजय शर्मा ने परिषद् की योजनाएं बताई।

कोशी बिहार

सिमरी बख्तियारपुर, सहरसा : शाखा द्वारा परिषद् स्थापना दिवस मनाया गया। श्री महेन्द्र नारायण प्रसाद ने परिषद् तथा अनेक राज्यपाल, न्यायाधीश, साहित्यकारों को परिषद् से जुड़ाव के बारे में प्रसंग सुनाए। विन्देश्वरी भगत, नन्द कुमार गुप्ता तथा ओमकार शरण सिंह उपस्थित रहे।

JAMMU- KASHMIR

Jammu West : Foundation day of BVP was observed at Rehasi Arya Samaj. State General Secretary M.L. Vaid was chief guest. Dr. Raj Kumar explained the projects and working of BVP. From North to East: From Jammu to Guwahati. BVP Jammu west conducted tour to visit Guwahati, Shilong, Cherapunji, Gangtok and Darzeling under cultural exchange programme. Interaction among local people sightseeing was informative and useful for tour members. Different culture, dresses, language was a matter of attraction despite cultural diversity. We are proud to be Bhartiya Group included 6 Male and 8 Female members.

HIMACHAL PRADESH WEST

Una : The plantation programme was conducted on the tributary of Sombhadra river. Shri Satpal Kalia father of Martyr Lt Anmol Kalia state organizing secretary and many dignitaries including Aniket were present on the occasion.

PUNJAB WEST

Urban Estate Jalandhar : Organized a *Medical Camp* at modern palace with the help of pics hospital. Cardiology chest problems were checked ECG. Blood Sugar and BP was checked free of cost. Medicines were distributed.

Jalandhar Samarpan : Branch organized GVCA at Geetanjali Model School, Arya Senior School, K.G.S. Public Schools, and Senior Model School at different dates. Total 52 students and 47 teachers were honoured. 34 students and 124 teachers participated in the programmme.

PUNJAB EAST

Sunam : Vivekanand branch organized martyr day of Shaheed Udham Singh and paid tributes to at the ancestral house of Udham Singh at Sunam.

Patiala : Foundation day was observed at Patiala followed by Havan and Langer. 50 members attended the function. Clothes were distributed among needy and poor. Harvinder Gupta told the audience about the BVP.

PUNJAB NORTH

Gurdaspur : Celebrated foundation day in the memory of Dr. Suraj Prakash, Jagdish Raj Arora expressed his views about the life and personality of Dr. Suraj prakash. shri Mohinder Kumar presented views on Bankim Chand Chatterji.

HARYANA WEST

Kalanwali : The branch organized English speaking camp. It was concluded with presence of Shalu Sangla and Rajesh Sangla. Certificates were given to participants; Jyoti Goyal was the faculty for student. She was honoured by Deva Kriti, Renu Goyal and Poonam Rai.

HARYANA NORTH

Panchkula : A 25 days Balika camp was concluded in Parishad Bhawan with Punjabi dance and patriotic songs. Three students spoke on cleanliness. Power of prayer was most appreciated. A skit on the *Tu Bhi Khush Main Bhi Khush,* demo of yoga, making of pyramids, techniques of self-defence were demonstrated. Mrs. Lila Bawa counselor appreciated the efforts. She applauded the efforts of vocational training for girls in computer science, stitching, beauty culture, English speaking in Balika Vikas Kendra. It was grand success dew to efforts by S.K. Shekhari, Y. P. Madan and Secretary Vishwa Mohan.

DELHI NORTH

Panchdeep : The branch celebrated foundation day at Abhinav Public School Pitampura. Goods of domestic use as mixi, fan, bed, ration jug etc. were donated to blind person. Sangeeta Gupta Secretary of the branch conducted the function. It was well attended by school staff, director and state office bearers headed by Archana Singhal regional secretary.

DELHI CENTRAL

West Patel Nagar : A programme was organized on foundation day where Dr. Vimal Banga explained about healthy life style on this occasion children were honoured who secured above 90% marks. Shri Subhash Manocha, Mrs. Seema Goel were present.

HASTINAPUR

Mawana Virat : Observed environment day at Vidya Mandir, Mawana. Mr. Girish Shukla and Palwal ji were present along with Anurag dublish.

BRAJ PRADESH

Shuvam Aligarh : planted fruit saplings at Tambeshwar temple campus.

BRAHMAVART

Kaimganj : Prant of Brahmavat the opened its 35th branch at Kaimganj with young members. R.C. Tripathi state vice president, Shashi Bhushan Gupta Regional Secretary and State office Bearer were present. Smt. Mithlesh Agarwal Ex. Chairperson blessed the new team for social service.

ODISHA

Bhubaneshwar : Inauguration of Dr. Suraj Prakash Skill Development Centre at Jharpada Bhubneshwar was observed on 12 July. Our National Additional Org. Secretary Suresh Jain extended financial aid to have 5 computers to train the local slum children and women. Shri S.N.Panda explained the aims and objects of BVP. J.P.Mishra stressed the need to coordinate the office bears at all levels. G. Patnayak talked to work selflessly, Smt. Sangita Dash was greeted to have the responsibility to manage the Centre, Shri Pramod Dash has very kindly given his building for the Centre. The branch observed plantation programme at Prayugee school campus as VSS Nagar Bhubaneshwar. 50 useful seedlings were planted. Swami Shankeshwaranand Giri founder of the school addressed the gatherings Sri Chandra Mani Bahera of forest department helped in plantation. Shri suresh Jain interacted with all the three branch members.

WEST BENGAL

State workshop was attended by Shri O.P. Kanoongo, Shri S.N.Panda and Smt. Geeta Patnayak. Shri Kanungo explained the key points of new contribution and guidance for branch administration Shri S.N.Panda explained the bvp philosophy and purpose of workshop. Mrs. Patnayak stressed to strengthen the branches.

ASSAM

Karimganj : Branch observed foundation day at Jalalnagar tea estate. Dr. Tapaskumar Banik, Dr. Ratan Das examined 52 patients, free medicines were distributed. At the celebration of Dr. Suraj Prakash Jayanti BVP honoured 8 merit students. Smt. Anusuiya Rai, Rohit, Debanjane, Samrat Das, Deepanjain Dhar, Ananya Nandi Kaustubh and Subhash Bhewel. All teachers were felicitated for best results.

Tejpur : The branch organized a plantation projected at solon Gaon at Giroimari Tejpur. Branch distributed 100 saplings of useful plants to residents of the village. Viklang camp was organized at Assam. Tarun Sangh Technician team from Patna and Guwahti centers came and checked the viklang limbs. 65 viklang were beneffited in the camp. Final camp will be organized at Tejpur solo gaon.

Patharkandi : The branch observed foundation day in a Tribal village Ankapicherra Shri Nepal Krishan Dhar convenor Bal sanskar explained the aims and objectives of BVP. Shri Jagadindu Dev inaugurated Vivekanand Pathshala in the village to facilitate primary education to the villagers. 20 students were admitted, they have been given stationery and material. 20 mosquito net were distributed to the poor families.

Jorhat : Foundation day was observed gracefully felicitation of merit students of Board exams was arranged. The heads of institutions were also felicitated.

Birjhora : Observed foundation day with a *Free Medical Checkup Camp* at village Jelkajher. About 135 patients were checked up, a free medicines work Rs. 15000 were distributed. Dr. Vishwajit, Dental Surgeon. Dr. K.N. Dev Sharma Retired Joint & Secretary Health conducted the camp. P.K. Bhagwati, G.C. Dash, P.K. Das Buplananda Sharma rendered their services.

Dibrugarh : Branch provided 8 artificial limbs to viklang. Shri Barun Sen was present with technicians, Niranjan Begeria sponsored the camp. Medical checkup camp was organized in Beria Shishu Mandir District Pedriatician along with nurses, pharmacist and medicines were arranged to the students of PDC. At the auspicious of Rathyatra 27students of Vivekanand Kendra School visited Harshpur village and took part in sowing saplings and saw verni compost project. Multi-specialty medical camp of gyn eye and medicines was organized at Machlu Bhorati village. Six doctors of medical college attended 130 patients and provided medicines, 9 cataract cases were detected. Secretary Saibal Ganguly reported the news.

TRIPURA

Agartala : Foundation day was observed at Tripurashwari Vidya Mandir, Ramnagar. A Base Anko and Alpana competition was conducted; prizes were given to the winners. D.Kalai of Tirpura state conducted the programme.

RAJASTHAN SOUTH EAST

Baran : Branch welcomed the Jagannath Rath Yatra

and provided cold water to the pilgrims.

GUJARAT CENTRAL

Bapunagar : The branch distributed prashadam and chach to the devotees who are going for darshan of Dwarkadheesh ji and enjoy the Rathyatra arranged by Jagganath temple Ahemdavad. Atul Gadhia reported the news.

Bapunagar : Branch conducted GVCA, about 7000 students participated and 128 students and 68 teachers were honoured with certificate. In Nikol Krushna Vidyalaya 600 students were trained to speak on selected subjects and language. At C.K. Vidyalaya, Seraspur a play was performed on Guru Drona and Eklavya. Tremendous experience was observed.

Anandnagar, Rajkot : Branch arranged a tree plantation on the foundation day. Provided chappals and meals to the residents of slum area and dhepar road.

NORTH GUJARAT

Patan : Mahila Sammelan was organized at Radhanpur Patan. 250 ladies from branches participated. Indumati Ben Katdhare explained the necessity of freedom from women but she should not be free from family responsibilities: Dr. Amita Ben Dave asked women to participate in service projects of BVP. Rudhanpur Mahila convener Dhatiben Thakkar planned a successful programme. Shri Ashwini bhai Pareekh and Ajay Bhai Joshi monitored the whole programme. Bhavna Ben nicely conducted the programme.

MAHARASHTRA KOKAN

Vasant Vihar Thane : The branch planted 200 saplings of fruit plants to the school at mamoti. Student took oath to conserve the plant in nearby homes.

MAHARASHTRA WEST

Pune, Swargate : Swargate branch and Megerpata participated in the campaign of Baramati to provide mobile toilet to workers (devotees gone to pandhar pur temple) to worship lord Vilthoba. The branch planted 100 saplings at Sarewadi 30 km from pune by climbing 3000 feet. It is a govt. scheme to plant 2 crore sapling. BVP assisted in the scheme.

GOA

Ponda : Branch organized foundation day of BVP at VHP Hall Ponda. Smt. Anupma Amonkar president Ponda branch welcomed the audience. Punderlik Pai Kokda and Bharat Chopda presented BVP activities at length. Chopda gave a keynote address. HOD Zoology Mr. Manoj Borkar felicitated toppers of SSC in all streams. State Gen. Sec. Extended vote of thanks.

Porvorim :The branch observed GVCA at Porvorim. Felicitation of 14 teachers and 28 students were observed by Amrut Kasar Advocate.

KARNATAKA SOUTH

At State convener meeting of Karnatak South President Khova S.Revana recalled the pledge made at the installation of the branches to increase membership and shakhas. Certain incentives were announced to ensure youth participation. Justice Rama Jois National Patron of BVP addressed the gathering quoting profusely from our scriptures the uniqueness of Indian culture which emphasized one duty.

Badarayana : Guru Vandan Chhatra Abhnandan programme was organized in Karnataka south Tapovan High School. Principal Vani Sharma presented keynote address and Guru were honored for their dedicated service. Few nominated students were honoured for their merit and enthusiasm. Dr. B.D.Patel stressed the need for keeping Indian values to maintain a living bond among teachers and students. Cultural events were also presented.

Bhardwaj Mysore : Branch organized foundation day among the family members. Members interacted with Dr. Hanumantha Charya, principal of Sharda Vats Pharmacy College. He spoke about Alzimer disease of aged person. Smt. Pratibha Gururaj conducted the function.

Bangaluru : City coordination committee organized foundation day. N. Daulath Rao spoke on the life of Dr. Suraj Parksh. Dr. B.D.Patel presented a PP presentation on the life of Dr. Suraj Prakash ji in the context of the turmoil of china attach, Smt. Vijay Shubraj. Retired Professor paid rich tributes to the founder of bvp. 6 social services workers were honored by BVP.

Nanjanguda : The branch organized a workshop for teaching staff of BVP College run by the branch. Mrs. Bharti welcomed H.M.Shankar and N.Shivana, Chief Guest urged upon the teachers to train the students in computer based knowledge making full use of modern techniques. He also asked to make them acquire knowledge about geographical and environmental uses. 36 teachers from 13 schools attended the workshop. Shri Venugopal administration officer of the school conducted the workshop.

Vidyaranya Bangluru : NGSC was inaugurated by Principal K.S.Usha at S.Kadambi Vidya Kendra Bangluru. Shri G.L. Shivshankar MD. System Engineers lauded the

activities of BVP toward promoting Indian ethos and patriotirsm among students. 14 teams participated in the competition. Judges expressed the views that it was a high level competition. Shri Mahendra Munot of Mruthi medicos gave on inspiring speech on the greatness of our country. Teams of new Cambridge High School stood first in branch level BKJ competition. K.S.Usha principal (ICSE Section) inaugurated the event.

TELANGANA

Mahabubnagar : Branch planted 100 saplings in the school premises of Bashyana Techno School. Shri P. Sriniwas Rao director Palamoor University graced the occasion. He explained the importance of tree plantation in the present environment. G. Pandurangam explained the objective of BVP. Smt. Madhu Principal of College assisted activity in the function.

ANDHRA PRADESH

Kakinada : Branch provided lunch to 60 students of Green field blind school. Y.S. Harishchandra was the chief guest. Sweets fruits and meals were distributed to blind students by Galla Subba Rao, Rednam Raja and A.R.Prasad.

Rajmundry : the branch organized programme to give pension to old aged person. The pension for 100 senior citizen were distributed. Next month a free medical camp will be organized at VL Park with the help of Vikas service Centre. It was announced by Dr. Pilladi. Param Hans.

TAMILNADU

Ashok Nagar, Chennai : observed Yoga Day. Meena Vainktesh spoke on the importance of yoga. Yog Sharma Prakash demonstrated meditation. Bharkaran & Sridharan distributed uniform to the students.

Visit to Roorkee branch: Aviral Ganga and Sampark Shakha of Roorkee organized a programme to inaugurate two toilets for students in a primary school; toilets were sponsored by Prem Mohan ji and Vijay Kumar. A free sewing and stiching center is running to train ladies of poor class. A Gaushala is run by Shri Krishna Pranami Committee. Shri G.P.Singh a retired military officer is looking after the activities as president. It is proposed to develop gas and refine gas meter project to start. Owner of Tanishaq showroom Aman Sharma in the city has very kindly agreed to assist in Gaoushala activity.

Visit of Suresh Jain (A.P.): Our additional national secretary Shri Suresh Jain visited singlaur village. It is proposed to adopt as Samagra Gram Vikas Yojna, Shri Shyam Kumar a philanthropist in saving each drop of rain water by harvesting system. He is saving 2000 litter of water. He is also training for making leaf plates, ecofriendly a role model of women complaint. We identified need of roads, drain, library and community hall. The village is Gutka free. No complaint is registered in police station. Next visit was to Gudiwada branch and Guntur branch. Where nearly 50 person from different professions attended the meeting. K.V.Brahman, KVS Raghuveer and Vijay Kumar were present in the meeting. In Vijaywada branch the team organized doctor's day and honored some Ayurvedic doctors and nephrologist the branch at ongole was started with a good gathering with Begawada Vijay Lakshmi (p) T.Sriniwas (s) K.Surender as Treasures, we visited Kavali Nellare and Gudur distt. At Tirupati we met the old members of BVP Dr. Savetenem Shri Namcharaiah, Prant Sangh Chalak shri Mahender Mangalam initiated to form two branches. Shri Yougandher received us and arranged a healthy meeting. The visit ended with working in Krushna. Guntur Prakasham Nellore and Chittor.

Karnataka visit of National Organizing Secretary: Shri S.N.Panda National Org. Secretary visited Bangaluru. He met the branch office bearers of the local branches. He discussed about the expansion of branches and growth of members. The meeting was followed by a musical performance of Vasudev Prabhu and party and a informative talk of surgeon Dr. Anjanappa. He discussed about general health matters and thanks to BVP.

Eastern Region observed foundation day:

West Bengal 7 branches –Award to students, mentally retarded, milk and ration to Maitri Ashram. Clothes, Ration and financial help to poor. **Odisha 8 branches**. Tree plantation, Blood donation. **Magadh Bihar 6 branches**. Tree plantation at Buxar, Gaya. **Jharkhand 14 branches** Seminar, plantation, Beti Bachao , Clothes, Sweets, Torches distribution. **Assam 6 branches** Medical Camp Cultural programme , limb distribution to Viklnag. **South Bihar 5 Branches** Tree plantation. **Koshi Bihar 2 Branches. North bihar 3 branches. Tripura 2 Branches** celebrated foundation day.

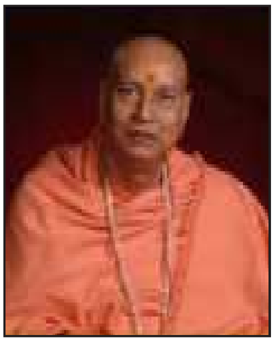

भारत का भौतिक विकास प्रशंसनीय है। किन्तु उसका नैतिक ह्रास चिन्ता का विषय है। भारत ने अपनी पहचान आध्यात्मिक उत्कर्ष के कारण बनाई है। परतंत्र और गरीब भारत के आध्यात्मिक राजदूत स्वामी विवेकानन्द सम्राट नहीं थे किन्तु चरित्र ज्ञान और राष्ट्र भक्ति एवं हिन्दुत्व ने उन्हें सम्राट नहीं विराट बना दिया।

भारत विकास परिषद् ऋषियो, सन्तों, शहीदों की पावन धरोहर का रक्षण करने में अग्रसर भूमिका निभा रही है। अभी मंजिल दूर है। कार्यकर्त्ता उत्साही है, पुरुषार्थ है, परमेश्वर प्रेरक है। प्रामाणिकता के अटूट बल से सफलता निश्चित है।

चरैवेति हमारा सूत्र बना रहे यही श्री भगवान से प्रार्थना है।

– **स्वामी सत्य मित्रानन्द गिरि जी महाराज**, मुख्य संरक्षक, भारत विकास परिषद्

गुरु की महिमा (बिन्दु बिन्दु विचार)

- यदि भगवान रूठ जाय तो गुरु की शरण में जा सकते हैं। लेकिल यदि गुरु रूठ जाए तो कहीं ठिकाना नहीं 'कबीरा हरि के रुठते, गुरु की शरणै जाए, कहे कबीर गुरु रूठते हरि नाहि होत सहाय।
- एक प्रामाणिक गुरु माँ की तरह अपने शिष्य के साथ कभी सौम्य तो कभी कठोर होता हैं दोनों व्यवहार उसकी भलाई के लिए ही होते है। –**भक्ति वेदान्त स्वामी प्रसाद**।
- भगवत् तत्व अविद्या माया के अधिष्ठात रूप में माना जाता है। गुरु तत्व विद्यामय के अधिष्ठात रूप में हैं यह करुणा और दया का असीम सागर है। –**देवरहा बाबा**।
- बाह्य गुरु से अधिक अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। परमात्मा हमारी आत्मा के साथ तादात्भ्य स्थापित कर उनसे ज्ञान और प्रेरणा प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए। – **रामकृष्ण परमहंस**
- गुरु की कृपा से ही परमात्मा से मिलाप होता है। – **महर्षि रमण**।
- जब थोड़ी सी आध्यात्मिक इच्छा होती है तो ईश्वर पुस्तके और शिक्षक भेजते हैं जब अपनी इच्छा को स्वीकारना और अपनी क्षमता से उनका अनुसरण करना। अपने को गृहशील बनाना ताकि गुरु उसकी चेतना, ज्ञान, प्रकाश और शक्ति को प्रज्ज्वलित कर सके। – **महर्षि योगी अरविन्द**
- गुरु ज्ञान की धारा है – **स्वामी राम**
- शिष्य गुरु की तलाश नहीं करता। सतगुरु अपने शिष्य की तलाश अपने आप कर लेते हैं। – **चरन सिंह जी महाराज**।
- शास्त्रों का ज्ञाता और ब्रह्मज्ञानी होना। ये दो अनिवार्य विशेषताएँ हमारे ग्रंथों में बताई गई है। – **स्वामी चिन्मयानन्द जी**।
- गुरु से संबंध स्थापित करने के पाँच गुर। 1. गुरु की आज्ञा का अतिक्रमण न करना, 2. प्रीति करना, 3. विनम्र रहना, 4. सेवा करना, 5. कृतज्ञ बने रहना। – **आचार्य महाप्रज्ञ**
- किसी इंसान को अनुभव के एक आयाम से दूसरे आयाम तक ले जाने का साधन है गुरु – **सद्‌गुरु जग्गी वासुदेव**
- गुरु एक खिड़की की तरह है। वह जीवन में सजगता, प्रसन्नता और जागरूकता लाने में सक्षम है। गुरु आपको आत्मसात होने के लिए प्रेरित करता है। – **श्री रविशंकर**

Diopk Kumar Bathakur, Ex. National Vice President of Bharat Vikas Parishad has been nominated as Vice Chairman State Planning Commission of Assam, with a rank of Cabinet Minister. Bharat Vikas Parishad congratulates the nomination. **- Editor**

रक्तदान

शाखा	संयोजक	सहयोगि चिकित्सक	ऐजेंन्सी	रक्त यूनिट
झांसी, बुन्देलखण्ड	प्रभाश खण्डेलवाल	डॉ. रमेश चन्द्र, डॉ.विनोद यादव	सिविल हॉस्पिटल	13
बहादुरगढ़, हरियाणा दक्षिण	मूलचन्द जी जोशी, डॉ. कुलदीप जून, प्रवनी राठी	ब्रह्मशक्ति हॉस्पिटल	सिविल हॉस्पिटल	72
गाँधी नगर, गुजरात मध्य	गीताबेन देसाई, वल्लभभाई रमाणी	डॉ. निराली देसाई, डॉ. वन्दना जोशी	सिविल हॉस्पिटल	94
छाबड़ा राज. दक्षिण पूर्व	पंकज गालव, हितेन्द्र सोनी	भाविप हॉस्पिटल कोटा	कोटा हॉस्पिटल	167
श्रीकरनपुर राज. उत्तर	राजेन्द्र भादू, डॉ. जगदीश वर्मा	तपोवन ब्लड बैंक, पुरोहित ब्लड बैंक	रेडक्रॉस रेडक्रॉस	156
धौलपुर राजस्थान पूर्व	राजीव झा, अतुल अग्रवाल	स्थानीय ब्लड बैंक	रेडक्रॉस	54
गन्नौर, हरि. दक्षिण	सुभिता ढ़ाका	डॉ. मनोज राय	राय हॉस्पिटल	185
डबवाली, हरि. पश्चिम			रेडक्रॉस	71
पन्नीवाला रूलदू				65
जुलाना				170
मट्टू कला				10
किशनगढ़, राज. मध्य				48
तलवाड़ा खुर्द				53
ऐलनाबाद, हरि. पश्चिम				40
संस्कृति ग्वालियर मध्य भारत उत्तर	रचना गोयल	डॉ. ज्योति शर्मा,	सिविल हॉस्पिटल	28
कुम्भराज मध्य भारत उत्तर	नरेश कासट, ओम प्रकाश	डॉ. प्रकाश धाकड़	रेडक्रॉस	128
हल्द्वानी, उत्तराखण्ड पूर्व	अतुल राजपाल, अनुज गोयल	डॉ. रौतेला, डॉ. मैसोड़ा	मेडिकल कॉजेल हल्द्वानी	52
रुद्रपुर,उत्तराखण्ड पूर्व	राकेश तनेजा, मनोज कुमार		सिविल हॉस्पिटल	67
फिरोजाबाद संस्कार ब्रज प्रदेश	राहुल गर्ग,अनूप गुप्ता	डॉ. उमेश गर्ग	ट्रामा सेन्टर	17
बुरहर, विन्ध्य				63
उन्नाव, ब्रह्मावर्त	मंजूलता, निशा अरोड़ा	डॉ. ए.के.गुन्ता	मायांजलि हॉस्पिटल	87
				1405

आपका रक्त दूसरों का जीवन है। BOOD DONORS ARE LIFE SAVERS.

पंचतंत्र की कहानी : कामचोर

पंकज वन में टीपू नाम का एक बन्दर था जो जानवरों में सबसे चालाक था। एक दिन रीतू जंबो हाथी और बिन्दु भालू एक साथ बैठे थे, वे परेशान थे। उनकी परेशानी यह थी कि जब दूरदराज से उनके नाम की कोई चिट्ठी आती थी तो उसे लाने में लम्बू जिराफ काफी समय लगाता था। वगैर पैसे दिए कोई भी चिट्ठी उन्हें नहीं मिलती थी।

एक दिन सबने बैठकर एकमत से सहमत होकर यह निश्चय किया कि पंकज वन का डाकिया टीपू बन्दर को बनाया जाए क्यों कि वह चुस्त और चालाक भी है। उसी दिन से टीपू बन्दर को पंकज वन का डाकिया बना दिया गया। टीपू बन्दर समय पर सब को डाक लाकर दे देता था। टीपू बन्दर ने देखा कि उसे सभी चाहते हैं तो उसने पैसों की जगह हर एक से केला लेना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे टीपू बन्दर कामचोर होता गया और उसकी कामचोरी बढ़ती गई। फिर धीरे-धीरे उसने सभी से पैसे लेना शुरू कर दिया।

जब सभी ने देखा की टीपू बन्दर कामचोर हो गया है और सभी से पैसे लेने लगा है तो सबने पंकजवन में एक बैठक आयोजित की और सर्वसम्मति से निर्णय पारित किया कि अब टीपू बन्दर को हटा दिया जाए और बिन्दु भालू को डाकिया बना दिया गया।

परन्तु इसी बीच जम्बो हाथी बीच में कूंद पड़ा और बोला अब इस जंगल में कोई डाकिया नहीं बनेगा तो सभी जानवरों ने उससे कहा कि नया डाकिया नहीं बनेगा तो हम लोगों को चिट्ठी कैसे मिलेगी। जंबो हाथी ने कहा - अब शहर में अपने नाते रिश्तेदारों, दोस्तो, भाई बहिनों और माता-पिता को यह संदेश भिजवा दो कि वे अब चिट्ठी न लिखे तो आप सभी आगे देखेंगे कि टीपू बन्दर घर मैं बैठा रहेगा।

बिन्दू भालू ने कहा भैय्या जम्बो आपका आइडिया बहुत अच्छा है मगर अगर शहर में किसी को कुछ हो गया तो खबर कैसे पता लगेगी। सभी जानवर एक साथ बोले हाँ हाँ बताओ कैसे पता चलेगा?।

जॅबो हाथी ने कहा-सब शान्त होकर मेरी बात सुनो हम सब मिलकर एक साथ पंकज वन में एक बूथ खोलेंगे और जब नंबर लगायेंगे तो बात हो जाया करेगा। सभी जानवर अपने अपने घ्रों में टेलीफोन गा ले जिससे उन्हें कभी डाकिये के भरोसे रहना नहीं पड़ेगा यह सुनकर सभी जानवर बहुत खुश हो गए। यह सब बाते टीपू बन्दर सुन रहा हैा, उसे अपनी भूल का एहसास हुआ और उसने बहुत पश्चाताप किया और उसने सभी जनवरों से माफ़ी मांगी।

उपरोक्त कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपना काम ईमानदारी से संपादित करना चाहिए और कामचोर नहीं बनना चाहिए। ईमानदारी सबसे अच्छी नीति मानी गई है और इसका उल्लेख सभी धर्म ग्रंथों और कहानियों में मिलता है। नीति शिक्षा में ईमानदारी पर हमेशा जोर दिया जाता है और ईमानदारी के सन्दर्भ में तरह-तरह के पाठ लोगों को पढ़ाये जाते हैं पर इसके बावजूद लोग गलती कर बैठते हैं ऐसा क्यो?

क्या मिलता है?

भारत विकास परिषद् से हमें क्या मिलता है। यह प्रश्न कभी कभी मेरे मित्र, भावी सदस्य, मेरे संबंधी अक्सर पूछते हैं यदि अपने जीवन के लम्बे कालखण्ड की अनुभूतियों का मंथन करें तो जो कुछ मिला है उसका मूल्यांकन करना कठिन होगा। अपनी अनुभूतियों को उपलब्धियाँ कह कर उनका मूल्यांकन करने का न औचित्य है न बुद्धिमानी। फिर भी जो मिला वह नहीं मिलता यदि परिषद् में न होता।

1. देश विदेश के परिषद् सदस्यों का नेटवर्क पारिवारिक, सामाजिक समस्याओं को हल करने में अतुलनीय सहयोग।
2. कुछ बुद्धिजीवी प्रतिष्ठित, व्यवसायी, चिन्तकों से परिचय और व्यक्तिगत आत्मीयता निर्माण हुई।
3. देश के प्रति सोचने का नजरिया, पीड़ित मानवता के प्रति भावनात्मक जुड़ाव देश के प्रति जिम्मेदारी का एहसास।
4. मतभिन्नता वाले लोगों के साथ सामूहिक भाव से काम करने की आदत का निर्माण।
5. बहुत कुछ प्राप्त हुआ। समाज को कुछ देने का भाव जागृत हुआ। समाज के ऋण को उतारने में प्रयत्नशील हूँ। यह परिषद् की देन है।
6. परिषद् से जो मिलता है और हम देते है इसकी तुलना कठिन है। देने का भाव हमारे मन में प्रभु बनाये रखें।

–**हरीश जिन्दल**, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

अच्छे व्यवहार का रहस्य

एक बार की बात है संत तुकाराम अपने आश्रम में विश्राम कर रहे थे। तभी उनका एक शिष्य, जो स्वभाव से थोड़ा क्रोधी था उनके पास आया और बोला, ''गुरुजी, आप कैसे अपना व्यवहार इतना मधुर बनाये रखते हैं, ना आप किसी पर क्रोध करते हैं और ना ही किसी को कुछ भला बुरा कहते हैं?''

कृपया अपने इस अच्छे व्यवहार का रहस्य मुझे बताएँ।

संत बोले ''मुझे अपने रहस्य के बारे में तो नहीं पता, पर मैं तुम्हारा रहस्य जानता हूँ।''

''मेरा रहस्य वह क्या है गुरु जी?'' शिष्य ने आश्चर्य से पूछा।

''तुम अगले एक हफ्ते में मरने वाले हो।'', संत तुकाराम दुखी होते हुए बोले।

कोई और कहता तो शिष्य इस बात को मजाक में टाल सकता था, पर स्वयं संत तुकाराम के मुख से निकली बात को कोई कैसे काट सकता था?

शिष्य उदास हो गया और गुरु का आशीर्वाद लेकर वहाँ से चला गया।

उसी समय से शिष्य का स्वभाव बदल गया। वह हर किसी से प्रेम से मिलता और कभी किसी पर क्रोध न करता, अपना ज्यादातर समय ध्यान और पूजा में लगाता। वह उनके पास भी जाता जिनसे उसने कभी गलत व्यवहार किया हो और उनसे माफी मांगता।

देखते ही देखते संत की भविष्यवाणी को एक हफ्ता पूरा होने को आया। शिष्य ने सोचा चलो एक आखिरी बार गुरु के दर्शन कर आशीर्वाद ले लेते हैं।

वह उनके समक्ष पहुँचा और बोला, ''गुरु जी, मेरा समय पूरा होने वाला है, कृपया मुझे आशीर्वाद दीजिए।''

''मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ है पुत्र! अच्छा, ये बताओ कि तुमने सात दिन किस तरह व्यतीत किये? क्या तुम पहले की तरह ही लोगों से नाराज हुए, उन्हें अपशब्द कहे?'' संत तुकाराम ने प्रश्न किया।

''नहीं नहीं, बिल्कुल नहीं। मेरे पास जीने के लिए सिर्फ सात दिन थे, मैं इसे बेकार की बातों में कैसे गँवा सकता था? मैं तो सबसे प्रेम से मिला, और जिन लोगों का कभी दिल दुखाया था उनसे क्षमा भी माँगी'', शिष्य तत्परता से बोला।

संत तुकाराम मुस्कुराए और बोले, ''**बस यही तो मेरे अच्छे व्यवहार का रहस्य है। मैं जानता हूँ कि मैं कभी भी मर सकता हूँ, इसलिए मैं हर किसी से प्रेमपूर्ण व्यवहार करता हूँ।**''

शिष्य समझ गया कि संत तुकाराम ने उसे जीवन का यह पाठ पढ़ाने के लिए ही मृत्यु का भय दिखाया था, उसने मन ही मन इस पाठ को याद रखने का प्रण किया और गुरु के दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ गया। **- संस्कारोदय से**

संस्कृति सप्ताह

समृद्धि मुजफ्फरनगर, हस्तिनापुर : शाखा ने धर्म अस्था के प्रतीक कांवड़ियों की सेवा करके संस्कृति सप्ताह की शुरूटात की। कांवर सेवा के प्रभारी श्री राम कुमार तायल, संयोजक राकेश मित्तल ने गाँधी गेस्ट हाउस में कांवरियों के लिए सुविधा केन्द्र स्थापित किये। कांवड़ सेवा से समाज में उत्साह और सकारात्मक सोच भर जाता हैं सदस्य परिवारों ने सभी व्यवस्थाएं उत्साह से संभाल रखी है। सचिव डॉ. शुभम भारद्वाज ने कांवरियों को मार्ग मे स्वास्थ रहने के उपाय बताए। विनोद संगल, संजीव अग्रवाल, चेतना सेठी, ऋचा, अनुराधा, दीपा, नीरा, सुमन ने भरपूर सहायता की।

जाँबाज राधिका मेनन

अभी 2011 की बात होगी-राधिका मेनन को मर्चेन्ट नेवी में पहली महिला कैप्टन बनाया गया था। जून, 2015 में आन्ध्र प्रदेश के काकीनाडा से गोपालपुर (उडीसा) जा रही एक नाव दुरगम्मा तूफान में फंस गई। इंजन खराब हो गया। मछुआरों के परिवारजनों को लगा कि सब डूब गये हैं। वे क्रियाकर्म की तैयारी करने लगे। तभी फोन आया कि मछुआरों को बचा लिया गया हैं राधिका मेनन की टीम ने जान जोखिम में डालकर उन्हें बचा लिया। अब राधिका मेनन अन्तर्राष्ट्रीय शिपिग संगठन द्वारा समुद्र में अदम्य साहस के लिए सम्मानित होने वाली प्रथम महिला बन गई है। **- बधाई राधिका मेनन।**